पौष माह, कृष्ण पक्ष वर्ष, अंक 349 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार 05 जनवरी 2022 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से जेल में मिले केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष बी. संजय कुमार से जेल में मुलाकात की है। सोमवार को जी. किशन रेड्डी को करीमनगर इलाके में स्थित जेल में बंद किया गया है। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि संजय कुमार औ अन्य भाजपा नेताओं पर गैरकानूनी तरीके से चार्ज लगाया गया है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, तेलंगाना इखढ प्रमुख बंदी संजय की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित और पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है। वह सभी उडश्क्ळ प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अपने कार्यालय में शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। लेकिन पुलिस जबरन कार्यालय में घुसी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।₹ किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि श्री संजय गारू और अन्य नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। वो केसीआर की कठोर शासन प्रणाली के खिलाफ विरोध कर रहे थे।

किशन रेड्डी ने कुमार के घर और कैंप कार्यालय का भी दौरा किया, जहां पुलिस ने उन्हें शुरू में हिरासत में लिया था। रविवार की रात संजय कुमार को हिरासत में लिया गया है। सोमवार को संजय कुमार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बीजेपी ने इस गिरफ्तारी को प्रजातंत्र का हत्या करार दिया है। करीमनगर लोकसभा से सांसद संजय कुमार को उस वक्त गिरफ्तार किया गया था जब वो जागरण प्रोटेस्ट की तैयारी कर रहे थे।

बी. संजय कुमार पर आरोप है कि उन्होंने विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी, तेलंगाना सरकार के 317 के खिलाफ रविवार को रात 9 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे के बीच 10 घंटे तक करीमनगर स्थित अपने कार्यालय में जागरण करने की योजना बनाई थी। तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्थानांतरण नीति पर सरकारी आदेश 317 को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस आदेश की वजह से राज्य के शिक्षकों को परेशानी हुई है।

यूपी में नाइट कर्फ्यू का समय बढ़ा, दसवीं तक के स्कूल 14 जनवरी तक बंद

लखनऊ। यूपी में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए मंगलवार की शाम कई पाबंदियां लगा दी गईं। योगी आदित्यनाथ ने टीम-9 के साथ बैठक के बाद नाइट कर्फ्यू का समय बढ़ाने का आदेश दिया है।

दसवीं तक के सभी स्कूल मकर संक्रांति 14 जनवरी तक बंद कर दिये गए हैं। 6 जनवरी गुरुवार से रात्रि कर्फ्यू रात 10 से सुबह 6 तक तक लागू हो जाएगा। अभी तक रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लागू है। सिनेमाहॉल, जिम, बैंक्वेट हॉल, स्पा आदि पर फैसला जिला प्रशासन लेगा। जिस जिले में 1000 से ज्यादा केस होंगे, वहां पाबंदी बढ़ा दी जाएगी। सिनेमा हॉल, जिम, बैक्वेट हॉल स्पा पर

माघ मेला में आरटीपीसीआर रिपोर्ट अनिवार्य

50 फीसदी उपस्थिति की इजाजत होगी। शादी व अन्य समारोहों में बंद स्थानों पर 100 लोग और खुले स्थान पर निर्धारित संख्या की 50 फीसदी उपस्थिति होगी। प्रयागराज माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 48 घंटे पूर्व की कोविड आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट अनिवार्य होगी। कल्पवासियों सहित सभी श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए।

कक्षा 10 तक के सभी शासकीय व निजी विद्यालयों में अवकाश के दौरान भी टीकाकरण जारी रहेगा। जिलों में एक्टिव केस की संख्या 1000 से अधिक हो जाए तो वहां जिम, स्पा, सिनेमाहॉल, बैंक्वेट हॉल, रेस्टोरेंट आदि सार्वजनिक स्थलों को 50 फीसदी क्षमता के साथ संचालित किया जाए। शादी समारोह व अन्य आयोजनों में बंद स्थानों में एक समय में 100 से अधिक लोगों की लोग उपस्थित न हों। खुले स्थान पर ग्राउंड की कुल क्षमता के 50 फीसदी से अधिक लोगों के उपस्थिति की अनुमति न दी जाए। मास्क-सैनीटाइजर की अनिवार्यता रहे।

पंजाब चुनावः चंडीगढ़ में चल रही कांग्रेस स्क्रीनिंग कमिटी की बैठक, टिकट पर आ सकता है फैसला

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमिटी की बैठक चंडीगढ़ में चल रही है। इस बैठक में कमिटी के चेयरमैन सुनील जाखड़, अजय माकन और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू हिस्सा ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों सहित कई अन्य मुद्दों पर मंथन किया जा रहा है। पंजाब विधानसभा चुनाव में अब गिनती के दिन रह गए हैं।

ऐसे में तमाम पार्टियां अपनी तैयारियों को अंतिम रुप देने में लगे हैं। इसी क्रम में पंजाब कांग्रेस ने मंथन शुरू कर दिया है। मंगलवार को पंजाब कांग्रेस स्क्रीनिंग कमिटी की बैठक चंडीगढ़ में हो रही है। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की ये बैठक अहम मानी जा रही है। इस बैठक में टिकट बंटवारे को लेकर कोई फैसला आ सकता है।

पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस स्क्रीनिंग में कोई बड़ा फैसला आने की उम्मीद है। इस बैठक में कमिटी के चेयरमैन सुनील जाखड़, अजय माकन और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले आम आदमी पार्टी ने बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व सांसद भगवंत मान को पार्टी का सीएम कैंडिडेट चुना। आम आदमी पार्टी इस चुनाव में पूरे दमखम के साथ मैदान में उतर रही है।

प्रवक्ता समेत बीजेपी के दो नेता समाजवादी पार्टी में हुए शामिल, अखिलेश ने किया स्वागत

लखनऊ। यूपी में जल्द होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर नेताओं का एक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी ज्वाइन करने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता जय प्रकाश पांडेय और अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अशोक कुमार वर्मा समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। दोनों नेताओं को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी ज्वाइन कराई और उनका स्वागत किया। गौरतलब है कि कल ही बहराइच के नानपारा से बीजेपी विधायक माधुरी वर्मा और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व सांसद राकेश पांडे सहित अन्य दलों के नेताओं ने भी समाजवादी पार्टी ज्वाइन कर ली थी। गौरतलब है कि विधायक वर्मा बहराइच जिले की नानपारा

सीट से भाजपा की मौजूदा विधायक हैं, जबकि राकेश पांडे, अंबेडकर नगर संसदीय क्षेत्र से बसपा के सांसद रीतेश पांडे के पिता हैं।

आपको बता दें कि 2009 में राकेश पांडेय साइकिल छोड़कर हाथी पर सवार हुए थे। राकेश बसपा के टिकट चुनाव लड़े और लोकसभा पहुंच गए। यहीं नहीं इसके बाद समाज और पार्टी में राकेश की पकड़ मजबूत होती गई। इसके देखते हुए बसपा ने उनके बेटे को जलालपुर सीट से टिकट दे दिया। रितेश पांडेय ने जीत दर्ज की और जलालपुर सीट से विधायक बन गए।

झारखंड में मॉब लिंचिंगः पेड़ काटने के आरोप में युवक को पीटकर जिंदा जलाया, ग्रामसभा में लिया हत्या का फैसला

सिमडेगा, कोलेबिरा (एजेंसी)। झारखंड में मॉब लिंचिंग पर कानून बनने के बाद पहली वारदात सामने आई है। सिमडेगा के कोलेबिरा में जंगल से पेड़ काटकर बेचने का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने एक युवक को बेरहमी से पीटकर अधमरा कर दिया और जिंदा ही जलाकर मार डाला। वारदात बेसराजारा गांव के पास मंगलवार दोपहर हुई है। मारा गया युवक संजू प्रधान छपरीडीपा गांव का था। संजू की मां धनमईत देवी ने बताया कि जब भीड़ उसके बेटे को पीट रही थी तब उसने और उसकी बहू ने बचाने का प्रयास किया। दोनों गिड़गिड़ा रहे थे लेकिन किसी ने उनकी एक नहीं सुनी।

बेटा जब कराह रहा था तब अधमरी हालत में ही घर की बाड़ी में लगी तख्तियों को काटकर भीड़ ने उसके बेटे को जिंदा जला दिया। इधर, सिमडेगा एसपी डा. शम्स तबरेज ने कहा कि घटना काफी गंभीर है। इसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद जो भी दोषी पाए जाएंगे उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि संजू प्रधान मनाही के बावजूद जंगल से लकड़ी काटकर बेच देता था। बंबलकेरा की ग्रामसभा ने उसे ऐसा करने से मना किया गया था। ग्रामसभा ने संजू को स्पष्ट चेतावनी दी और कहा था कि यह खूंटकटी क्षेत्र (जंगल काटकर खेतीयोग्य भूमि बनाना) है। इसलिए बिना ग्रामसभा की अनुमति के वह पेड़ नहीं काटे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संजू बार-बार मना करने पर भी पेड़ काटकर लकड़ियां बेच देता था। तीन दिन पहले उसने फिर पेड़ काटा था। जब इसकी सूचना बंबलकेरा के ग्रामीणों को मिली तो मंगलवार की सुबह ग्रामसभा बुलाई गई। तीन घंटे चली बैठक के बाद ग्रामीणों ने संजू की हत्या का निर्णय लिया। इसके बाद ग्रामीण एकजुट होकर संजू के बेसराजारा स्थित घर पहुंचे। पहले उसे घर से खींचकर निकाला और पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। इसके बाद उसे जला डाला। घटना की जानकारी मिलते ही तीन थानों सिमडेगा, कोलेबिरा और ठेठईटांगर की पुलिस मौके पर पहुंच गई और गांव को घेर लिया। पुलिस गांव में ही कैम्प कर रही है। घटना के बाद से गांव में तनाव है। सैकड़ों की संख्या में गांववाले भी जुटे हैं। हत्या को अंजाम देने वाले बंबलकेरा गांव के ग्रामीण भी वहां जुटे थे।

भगवान कृष्ण के सपने पर योगी का अखिलेश को जवाब, कंस का उपासक बता कसा तंज

अलीगढ़ (एजेंसी)। भगवान कृष्ण सपने में आकर कहते हैं कि तुम्हारी सरकार बनने वाली है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के इस दावे पर अब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जवाब देते हुए तंज कसा है। योगी ने कहा कि सपने आ रहे होंगे। और उनके सपने में भगवान कृष्ण आकर कह रहे होंगे कि अपने नाकामयाबियों पर अब तो रो जाओ, जो तुम नहीं कर पाए वह बीजेपी की सरकार ने कर दिया है।

भगवान कृष्ण उनको कोस रहे होंगे, भगवान कृष्ण ने उन्हें कहा

अखिलेश जब सत्ता में थे तो उन्होंने मथुरा, वृंदावन, बरसाना और गोकुल के लिए कुछ नहीं किया। योगी ने सपा नेता को कंस का उपासक बताते हुए कहा कि उनके पैदा किए कंस ने जवाहरबाग की घटना को अंजाम दिया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अलीगढ़ में 7,000 करोड़ रुपए की लागत की 660 मेगावाट की हरदुआगंज तापीय विद्युत परियोजना का लोकार्पण करते कहा, आज जब हम इस पावर प्रॉजेक्ट का लोकार्पण कर रहे हैं। कुछ लोगों को लखनऊ में होगा कि जब तुम्हें सत्ता मिली थी तो मथुरा, वृंदावन, गोकुल के लिए कुछ नहीं कर पाए। लेकिन वहां कंस पैदा करके जवाहर बाग की घटना जरूर करवा दिए थे। ये हरकतें थी पिछली सरकार की। उन्हें भगवान कृष्ण से मतलब नहीं था। वे तो कंस के उपासक थे और कंस ही पैदा करते थे। और जब कंस पैदा होते थे तो जवाहरबाग की घटना भी होती थी, जिसमें एसपी सिटी मुकुल द्विवेदी शहीद हुए थे।

बुली बाई ऐपः 12वीं पास है मास्टरमाइंड छात्रा, उम्र महज 18 साल; क्या थी साजिश

देहरादून। बुली बाई ऐप प्रकरण में मुंबई पुलिस को मंगलवार के दिन बड़ी सफलता हाथ लगी। उत्तराखंड के रुद्रपुर शहर से 18 वर्षीय लड़की को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महिला पर आरोप है कि वह आपत्तिजनक बुली बाई ऐप में कथित रूप से संलिप्त थी। हालांकि अभी पुलिस ने महिला की भूमिका पर खुलकर नहीं बोला है। लेकिन ये माना जा रहा है कि इस ऐप की मास्टरमाइंड यही महिला है, जिसने ऐप पर मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरें अपलोड की थी और कथित तौर पर नीलामी की। मुंबई पुलिस अभी इस बात की भी कर रही है कि आखिर इन्होंने ऐसा क्यों किया आपत्तिजनक सोशल मीडिया ऐप बुली बाई प्रकरण में मंगलवार को मुंबई पुलिस ने दूसरी गिरफ्तारी की। इससे पहले कर्नाटक में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले विशाल कुमार को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया था। विशाल कुमार को 10 जनवरी तक मुंबई पुलिस की रिमांड में भेज दिया गया है। हालांकि कोर्ट में पेशी के दौरान विशाल यही दोहराता रहा कि उसे

झूठे केस में फंसाया जा रहा है। यह कार्रवाई मुंबई की साइबर टीम की ओर से की गई है। विशाल की उम्र 21 वर्ष है और वह इंजीनियरिंग का द्वितीय वर्ष का छात्र है। अब मुंबई पुलिस ने जिस महिला को उत्तराखंड के रुद्रपुर से गिरफ्तार किया है, उसकी उम्र महज 18 वर्ष बताई जा रही है। उत्तराखंड डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि 12वीं पास छात्रा को उधम सिंह नगर जिले के एक स्थानीय न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पुलिस टीम और लड़की अभी भी उत्तराखंड में हैं और महिला पुलिस अधिकारियों के मुंबई से आने का इंतजार कर रहे हैं। बुली बाई ऐप प्रकरण में आरोपी छात्रा की सटीक भूमिका अभी भी स्पष्ट नहीं है। मुंबई में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उसकी कथित भूमिका के बारे में कोई विवरण देने से इनकार कर दिया है। डीजीपी अशोक कुमार ने लड़की की गिरफ्तारी की पुष्टि की, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि राज्य पुलिस उस टीम का हिस्सा नहीं थी जिसने उससे पूछताछ की थी। कुमार ने एचटी को बताया, ₹उत्तराखंड पुलिस ने आरोपी से पूछताछ नहीं की क्योंकि जांच केवल मुंबई पुलिस द्वारा की जाती है जो मामले के विवरण के बारे में जानती है।

चुनाव से पहले बीजेपी के रास्ते पर पंजाब की चन्नी सरकार, दिल्ली में रविदास मंदिर के लिए भूमि आवंटन खर्च उठाने को तैयार

नई दिल्ली। पंजाब में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही अब राज्य की कांग्रेस सरकार भी भाजपा के रास्ते पर चलती दिख रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने मंगलवार को कहा कि नई दिल्ली के तुगलकाबाद में गुरु रविदास मंदिर के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण का पूरा खर्च उठाने को उनकी सरकार तैयार है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 2019 में तुगलकाबाद में रविदास मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया था, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर के पुनःनिर्माण की अनुमति दी थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि 1509 में सिकंदर लोदी के शासनकाल में गुरु रविदास उस स्थल पर गए थे।

एक आधिकारिक आदेश के

अनुसार, मुख्यमंत्री चन्नी ने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने हाल में गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर चमरवाला जोहर तुगलकाबाद समिति से, चार सौ वर्ग मीटर जमीन के अधिग्रहण के लिए 4.33 करोड़ रुपये जमा करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कीमत बहुत अधिक होने के चलते बहुत से लोगों ने पंजाब सरकार से इसमें योगदान देने को कहा है। चन्नी ने कहा कि पंजाब सरकार गुरु रविदास की विचारधारा को पहले से मानती रही है, इसलिए उसने निर्णय लिया है।

पंजाब में भगवंत मान होंगे आप के सीएम कैंडिडेट! बैकफुट पर जा सकती है कांग्रेस, कैसे बदलेंगे समीकरण

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव में लगातार बाहरी होने का आरोप झेल रही आम आदमी पार्टी जल्दी ही बड़ा कार्ड चल सकती है। सूत्रों के मुताबिक आम आदमी पार्टी की ओर से सीएम कैंडिडेट के तौर पर भगवंत के नाम का ऐलान किया जा सकता है। यदि आप की ओर से सीएम फेस का ऐलान होता है तो वह कांग्रेस, भाजपा गठबंधन को घेरने की स्थिति में होगी, जिनकी ओर से अब तक सीएम फेस का ऐलान नहीं किया गया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बात पर सहमति बनती दिख रही है कि भगवंत मान के नाम का सीएम फेस के तौर पर ऐलान कर दिया जाए। भगवंत मान संगरूर सीट से सांसद हैं और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। कांग्रेस पार्टी ने पिछले साल के आखिर में कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफे के बाद चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम बनाया है। लेकिन अब तक कांग्रेस यह ऐलान करने से बच रही है कि चुनाव के बाद भी चन्नी ही सीएम होंगे या फिर किसी नए नेता को कमान दी जाएगी। सिद्धू और चन्नी के बीच

तमाम मुद्दों को लेकर खींचतान भी देखने को मिल रही है। यहां तक कि सिद्धू ने पिछले दिनों हाईकमान को सलाह देते हुए कहा था कि चुनाव से पहले कांग्रेस को राज्य में सीएम फेस का ऐलान करना चाहिए। उनका यह भी कहना था कि यदि कांग्रेस ऐसा नहीं करेगी तो उसे नुकसान उठाना पड़ेगा। इससे साफ है कि आम आदमी पार्टी की ओर से चेहरे का ऐलान करने से उसे फायदा होगा और कांग्रेस को घेरने में उसे मदद मिल सकेगी।

सूत्रों का कहना है कि इसका ऐलान मंगलवार को ही किया जा सकता था, लेकिन पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल के कोरोना पॉजिटिव होने के चलते इसे टाल दिया गया है। दिसंबर की शुरूआत में भगवंत मान ने दावा किया था कि एक सीनियर भाजपा नेता ने उनसे संपर्क कर आम आदमी पार्टी में शामिल होने को कहा था और इसके एवज में केंद्रीय मंत्री बनाने का ऑफर दिया था। मान ने गोवा, बंगाल, मध्य प्रदेश का उदाहरण देते हुए भाजपा पर राजनीतिक दलों को तोड़ने का आरोप लगाया था। हालांकि भाजपा ने भगवंत मान के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि यदि ऐसा है तो वह सार्वजनिक तौर पर उस नेता का नाम उजागर करें, जिसने उन्हें यह ऑफर दिया था।

खबर संक्षेप

नागरिक स्नातकोत्तर महा विद्यालय जंघई में मिड- टर्म परीक्षा 10 जनवरी से

जंघई। नागरिक स्नातकोत्तर महा विद्यालय जंघई में अध्ययनरत बीए, बीएससी प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेसस्टर के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता कि उनकी मिड- टर्म परीक्षा महाविद्यालय में 10 जनवरी से आयोजित है।मिड टर्म परीक्षा में सभी छात्र छात्राओं को शामिल होना आनिवार्य है मिड टर्म परीक्षा में अनुपस्थित रहने की दशा में विद्यार्थी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित होने वाली वार्षिक परीक्षा से वंचित हो जाएगें।जिसका पूरा उत्तरदायित्व सबंधित छात्र छात्राओं का होगा यह जानकारी महाविद्यालय के प्राचार्य डाक्टर राजीव मालवीय के निर्देश पर कार्यालय अधीक्षक करुणेश त्रिपाठी ने दिया है।

बेटियों कों समान अवसर देने की आवश्यकता : डा. अस्मिता

जसरा। बेटियों के सम्मान एवम अवसर से ही देश प्रगति कर सकता हैं इसलिये जितना अधिक हों सकें बेटियों कों समान अवसर एवम संसाधन प्रदान किया जाए उक्त बातें डा. अस्मिता सिंह मंगलवार कों एक प्रेस काफ्रेंस के दौरान सम्बोधित कर रहीं थी इस दौरान उन्होंने यह भी जानकारी प्रदान करते हुए बोलीं कि 05जनवरी कों आयोजित मांडा के इंद्रकली पटेल जूनियर हाईस्कूल मे आयोजित कार्यक्रम कोविड प्रोटोकॉल एवम शीतलहर के चलते स्थगित रहेगा सभी लोगों का सोलर उपक्रम व अन्य संसाधन आगामी 08जनवरी तक प्रदान किया जाएगा। इस दौरान डा नीतू चंद्रा, मेघना साहनी, कामिनी राठौर आदि लोग उपस्थित रहीं।

जंघई में सपा किसान गोष्ठी का आयोजन

जंघई। समाजवादी पार्टी महासचिव हरिशंकर यादव की अध्यक्षता में जंघई बाजार में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें हरिशंकर यादव ने कहा कि देश प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की विरोधी है खाद, बीज की कालाबजारी हो रही है किसानों का धान नही खरीदा जा रहा है हर जगह लाइन लगवा कर किसानों को केवल धक्का दिया जा रहा है।विद्युत विभाग, पंचायत विभाग एवं समस्त सरकारी विभागों एवं बैंकों में भ्रष्टाचार चरम पर है बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार से आम आदमी त्रस्त है।इस अवसर पर हरिश्चन्द्र मिश्रा प्रधान चौका, एडवोकेट जगदंबा मिश्रा, एडवोकेट रामकुमार यादव, शिव देवी, राजनाथ यादव, तौलन यादव, रामप्रताप, लालचंद जैसवार आदि रहे।

दीक्षान्त समारोह विद्यार्थियों के लिए वर्तमान कार्यों को समाप्ति और अपने सपनों को आकार देने के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत का अवसर : राज्यपाल

राज्यपाल ने राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में आयोजित चतुर्थ दीक्षांत समारोह में दीप प्रज्ज्वलन कर दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का किया शुभारम्भ, उपाधियों के साथ स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदकों का किया वितरण

चतुर्थ दीक्षांत समारोह में उपाधियों के साथ स्वर्ण रजत व कांस्य पदक प्राप्त कर राज्यपाल के साथ सभी विद्यार्थी।

अखंड भारत संदेश

नैनी। राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल मंगलवार को औद्योगिक क्षेत्र स्थित राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में आयोजित चतुर्थ दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग करते हुये सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण किया एवं दीप प्रज्ज्वलन कर दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। राज्यपाल ने प्राथमिक विद्यालय के बच्चों व अध्यापकों को ज्ञानवर्धक पुस्तकों से भरे बैग, फल की टोकरी का वितरण किया। राज्यपाल ने नीति दस्तावेजों व स्मारिका का विमोचन भी किया।

राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह के अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि त्रिवेणी की पावन धरा पर स्थित प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में आप सभी के बीच उपस्थित होकर अत्यन्त गर्व का अनुभव कर रही हूँ। उन्होंने सभी को नूतन वर्ष 2022 की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दीक्षान्त समारोह विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर होते हैं, क्योंकि यह उनके वर्तमान कार्यों को समाप्ति और अपने सपनों को आकार देने के लिए एक नये अध्याय की शुरूआत का अवसर होता है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय भी इस कामना के साथ विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करता है कि उसके द्वारा तैयार किया गया ह्यमानव संसाधनह्न राष्ट्र की प्रगति में सकारात्मक योगदान प्रदान करेगा। आज के अवसर पर सभी उपाधि एवं पदक विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ। मैं आपके माता-पिता, अभिभावक और इस विश्व विद्यालय के शिक्षकों को भी बधाई देती हूं।

दीक्षान्त समारोह में कुल एक लाख बतीस हजार तीन सौ इक्हत्तर (1,32,371) विद्यार्थियों को उपाधियां वितरित की गयी हैं। दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक, रजत पदक एवं कांस्य पदकों का वितरण किया गया। पदकों की सूची में बेटियों की संख्या बेटों से ज्यादा है। यह एक सुखद स्थिति है, जो यह दशार्ता है कि हमारे समाज में बेटियां किस प्रकार आगे बढ़ रही हैं। हमारी बेटियों द्वारा प्रदर्शित यह उत्कृष्टता एक विकसित राष्ट्र के रूप में भारत के भविष्य का प्रतिबिंब हैं। समान अवसर मिलने पर प्रायः हमारी बेटियां हमारे बेटों से भी आगे निकल जाती हैं। मैं इन सभी बेटियों को इस उपलब्धि के लिए विशेष रूप से बधाई देती हूँ। उन्होंने सावित्री बाई फूले को याद करते हुए कहा कि वे भारत की पहली महिला शिक्षक थी। जबकि उस समय कोई सुविधा उनके पास उपलब्ध नहीं थी और न ही बेटियों की शिक्षा के लिए सामाजिक माहौल ही थी, इस कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने यह मुकाम हासिल किया, यह आज की महिलाओं और बेटियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। आज जिस तहस से महिलायें आगे बढ़ते हुए हर क्षेत्र में अपना मुकाम हासिल कर रही है, उससे लगता है कि आने वाले समय में हर क्षेत्र में महिलाओं की अग्रणी भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि प्रो0 राजेन्द्र सिंह का प्रयागराज की धरती से बहुत लगाव था। वे यहां के इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 1939 से 1943 तक विद्यार्थी रहे, जो बाद में यहां के प्रवक्ता, प्राध्यापक और अंत में विभागाध्यक्ष रहे। आज के अवसर पर मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

उच्चतर शिक्षा की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका

नैनी। उच्चतर शिक्षा की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका वास्तविक उद्देश्य हमारे युवाओं का चहुंमुखी विकास करना है, जो हमारे विविधताओं से भरे महान राष्ट्र की समृद्धि के लिये आवश्यक है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इसका दर्शन भारतीय लोकाचार में निहित है, जो भारत को बदलने में सीधे योगदान देती है। नई शिक्षा नीति भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मददगार साबित होगी, इससे विद्यार्थी जॉब मांगने के बजाय लोगो को स्वयं जॉब उपलब्ध कराने वालो की श्रेणी में शामिल होंगे। सभी को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करके भारत को एक वैश्विक ज्ञान की महाशक्ति बनाने में नई शिक्षा नीति का दर्शन निहित है।

आज शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा हैः डॉः दिनेश शर्मा

नैनी। उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह अत्यंत हर्ष और सम्मान का विषय है कि गंगा, यमुना और अदृष्य सरस्वती के पावन संगम पर स्थित प्रयागराज में प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में मुझे दीक्षा साक्षी बनने का अवसर मिला है। आज जिन छात्र-छात्राओं को उपाधि एवं पदक मिला है, उनको बधाई एवं शुभकामनांए देता हूं तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। आज आप एक नए जीवन की शुरूआत कर रहे है। पदकों की संख्या में महिलाओं की संख्या अधिक होने पर कहा कि यह नारी सशक्तीकरण का एक सर्वोत्तम उदाहरण है। आज शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। शिक्षा के सुधार के लिए हमारी सरकार ने बहुत कार्य किया है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से विद्याथिंयों अंदर सोच एवं रचनात्मक क्षमता बढ़ाकर सीखने की प्रक्रिया को और अधिक बढ़ाने की ओर ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य विद्याथिंयों का सर्वांगीण विकास करना है। कोविड के समय भी विश्वविद्यालय में समस्त अकादमिक गतिविधियां ऑनलाइन प्लेटफार्म पर जारी रखा गया है। आज डिजिटल लाइब्रेरी से बच्चों को लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों में शोध कार्य बढ़ाये जाने चाहिए। आगे चलकर इस विश्वविद्यालय में कई और नए कोर्स को प्रारम्भ किया जायेगा। उन्होंने विद्याथिंयों से कहा कि हमेशा बड़े लक्ष्य का सपना देखना चाहिए और उसको पूरी मेहनत व लगन के साथ उस लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष विश्व विद्यालय अनुदान आयोग प्रो0 धीरेन्द्र पाल सिंह, कुलपति डॉ0 अखिलेश कुमार सिंह सहित अन्य सम्मानित महानुभावों के साथ-साथ छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सामुदायिक विकास एवं जागरूकता के कार्य निरन्तर संचालित किये जा रहे हैं

नैनी। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सामुदायिक विकास एवं जागरूकता के कार्य निरन्तर संचालित किये जा रहे हैं। जैसे वृहद टीकाकरण कार्यक्रम, रक्तदान शिविर, गांवों को गोद लेकर विकास करना, आंगनवाड़ी केन्द्रों का विकास। उन्होंने विद्याथिंयों से कहा कि आपको अपने सपनों को साकार करने और देश के विकास में योगदान देने के लिए सही दिशा में अपने ज्ञान, कौशल और ऊर्जा को लगाना होगा। स्वच्छ भारत अभियान, कल्याणकारी योजनाओं, सड़कों, एक्सप्रेसवे, बंदरगाहों, एअरपोर्टो के निर्माण से एक नए भारत का निर्माण हो रहा है। जिनके माध्यम से लाखों लोगों के लिये रोजगार सृजन भी हो रहा है। आज के इस पावन अवसर पर आपको यह प्रण करना चाहिए कि आप इस महान राष्ट्र के गौरव का न केवल रक्षण करेंगे, अपितु महान तपस्वियों और वीरों की श्रृंखला को भी आगे बढ़ायेंगे। आपके जीवन का एक अध्याय आज पूर्ण हो गया है, परन्तु वास्तविक जीवन की चुनौतियां अभी आपके सामने आने वाली हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर से यही प्रार्थना है कि विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान आपको जीवन में आगे बढ़ाये। भारत माता की संतान के रूप में आप अपना बहुमूल्य योगदान समाज और राष्ट्र की सेवा में दें।

विश्वविद्यालय ने लिया है छह गांव को गोद

नैनी। राज्यपाल ने आगे संबोधित करते हुए कहा की विश्वविद्यालय द्वारा जिन छह गांवों को गोद लिया गया है, यह प्रण करें कि उन गांवों में कोई भी बच्चा टी0बी0, कुपोषण का शिकार न हो, उन गांवों में सभी पात्रों को सरकार द्वारा चलायी जा रही सभी योजनाओं का लाभ मिले, यह सुनिश्चित करें। इसके साथ ही साथ यह भी सुनिश्चित किया जाये कि इन गांवों का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि हम ऐसी शिक्षा विकसित करें जो वैज्ञानिक एवं तकनीकी दक्षता से युक्त, सुदृढ़ एवं प्रतिबद्ध समाज संरचना में अपनी भूमिका निभाये। नये-नये शोध किये जाये। ग्लोबल वार्मिंग के कारण पूरी दुनिया प्रभावित है, जिसमें सबसे ज्यादा प्रभावित किसान हुए है। हमें शोध कर ऐसे बीज तैयार करने चाहिए, जो हर मौसम के अनुकूल हो, जिससे किसानों को ज्यादा से ज्यादा फायदा हो। आगे कहा कि हमारा देश एक युवा राष्ट्र है, जिसका लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा 35 साल से कम उम्र की आबादी का है। युवाओं को सही शिक्षा, ज्ञान और कौशल प्रदान कर-के हमें इस विशाल मानव पूंजी को राष्ट्र-निर्माण के कार्यों में परिवर्तित करने की आवश्यकता है। सरकार द्वारा ऐसे अनेक निर्णय लिए जा रहे हैं, जिनका सशक्त समाज व राष्ट्र निर्माण में दूरगामी परिणाम होगा। देश के सबसे प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार से ऐसे वास्तविक नायकों का सम्मान किया जा रहा है, जिन्हें आज से पहले शायद ही कोई जानता होगा। फल विक्रेता हरेकाला हजब्बा, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा योगदान दिया है, उसे जानकर आप दंग रह जायेंगे। संतरे बेचकर रोजाना 150 रुपए कमाने वाले हरेकाला हजब्बा ने एक प्राइमरी स्कूल खड़ा करवा दिया। आज जो समाज का काम, पर्यावरण संरक्षण, नदियों को बचाने और बच्चों को पढ़ाने का काम करते हैं, उनको पद्म श्री अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है। इससे हम सभी लोगो को अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

न्यूज झरोखा

संयुक्त मजिस्ट्रेट बारा सौम्या गुरुरानी ने कोराना काल में अच्छे कार्य पर दिया प्रशस्ति पत्र

जसरा। कोविड-19 जैसे वैश्विक महामारी से बचाने के लिए जिस तरह डॉक्टर, प्रधान, समाजसेवी व अन्य सीएचसी कर्मचारियों ने सहयोग देकर कोरोना को भगाया है, ऐसे लोगों को समाज कभी भी भुला नहीं पाएगा। उक्त बातें आईएएस/ संयुक्त मजिस्ट्रेट बारा सौम्या गुरु रानी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा के सभागार में प्रशस्ति पत्र वितरण करते हुए कहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीएससी अधीक्षक डॉ० तरुण पाठक ने कहा कि कोविड टीकाकरण में कार्य एवं सहयोग करने वाले अस्पताल के अधिकारियों/कर्मचारियों, ग्राम प्रधानों,स्वयंसेवी संगठन,एएनएम,आशा संगिनी व आशाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी जसरा हरिओम गुप्ता ने उपस्थित लोगों से अनुरोध किया कि निगरानी समिति को पुनः सक्रिय कर लिया जाए और 15--15 वर्ष के बच्चों का शत प्रतिशत टीकाकरण कराने एवं द्वितीय डोज शत प्रतिशत बढ़ाने में सहयोग करें। सीएससी अधीक्षक डॉ तरुण पाठक द्वारा तीसरी लहर से बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। डॉ० पाठक ने कहा क्षेत्र में सभी लोग टीकाकरण समय रहते करा लें। मास्क नियमित रूप से पहने, भीड़ भाड़ वाली जगहों में जाने से बचें। हाथों को नियमित रूप से धो लें और लक्षण दिखाई देने पर कोरोना की जांच अवश्य कराएं। कार्यक्रम का संचालन स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सीमा सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ० सुरेश प्रसाद, डॉ० आरके मिश्र, डॉ० प्रतिमा मिश्रा,डॉ०मनोज श्रीवास्तव, डॉ०मनीष कुमार, डॉ० यासमीन बेगम, हीरा नंदन पंकज पांडेय नेत्र परीक्षण अधिकारी,बीपीएम पंकज मिश्रा, नीरज सिंह, सरोज धूलिया, देवेंद्र सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष दारा सिंह पटेल, राज रूप सिंह ,सुधांशु मिश्र, विराट तिवारी,अनुराधा पटेल, कुलजीत सिंह,शिवम प्रजापति,मीना देवी,रजनी मिश्रा, आशीष कुमार पाल सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जनाधार शक्ति पार्टी को आवंटित हुआ "माइक" चुनाव चिन्ह

नैनी। केंद्रीय चुनाव आयोग ने जनाधार शक्ति पार्टी को चुनाव चिन्ह 'माइक' आवंटित किया है। जिसे 'उदघोषणा का प्रतीक' भी कहा जाता है। चुनाव चिन्ह प्राप्त होने के बाद पार्टी मुखिया, मुख्य पदाधिकारी व कार्यकताओं में अलग सा हर्षोल्लास का माहौल बना हुआ है। एक दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर मुँह मीठा कराते हुए बधाईयाँ दी। पार्टी मुखिया व राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष दीक्षित का कहना है कि जिस पल का हम सबको बेसब्री से इंतजार था, वह घड़ी अब आ चुकी है। उत्तर भारत अध्यक्ष अखिलेश शुक्ल ने कहा की हमारी पार्टी उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेगी और हमारे प्रत्याशी जनता के सहयोग और आशीर्वाद से विजय प्राप्त करके जनता सेवा के साथ ही विकास कार्य करेंगे। वहीं उत्तर प्रदेश अध्यक्ष विनोद पटेल ने ये विश्वाश दिलाया की जनता हमारे साथ है अब समय आ गया है, जब प्रदेश की जनता जनाधार शक्ति पार्टी को मजबूत बनाने और भ्रष्ट राजनीति को समाप्त करने में हमारा सहयोग करेगी। इस दौरान एस.के.पटेल,दुर्गेश शर्मा, सोनू भारतीया, पियूष द्विवेदी,कर्मवीर आर्य, कृष्ण कुमार दिवाकर,राम बहादुर सरोज,अश्विनी तिवारी, प्रियांशु तिवारी अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान कों लेकर चिकित्सकों से मिले समाजसेवी अभिषेक सिंह पटेल

घूरपुर। केंद्रीय इलाहबाद विश्वविद्यालय के शोधछात्र अभिषेक सिंह पटेल के नेतृत्व मे रविवार कों जनपद के विभिन्न शासकीय एवम गैरशासकीय चिकित्सकों का युवा समाजसेवी अभिषेक सिंह पटेल ने पौधा भेटकर नववर्ष की शुभकामनायें प्रदान किए। इस अवसर पर युवा समाजसेवी एवम शोधछात्र ने सभी लोगों मतदाताओं कों मतदान मे अधिक से अधिक भागीदारी के लिए सहयोग भी माँगा। शोधछात्र के इस मुहिम की सराहना करते हुए स्त्री एवम प्रसूती रोग विशेषज्ञ डा. पल्ल्वी सिंह बोलीं कि मतदान मे हिस्सा लेना समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदार हैं। मतदान से ही हम अपना प्रतिनिधि चुनने होते हैं जिससे विकास के नये आयाम प्राप्त होते हैं।आगे डा. पल्ल्वी सिंह यह बोलीं कि देश के 18वर्ष से लेकर हर उम्र के लोगों कों मतदान का अधिकार प्राप्त हैं और हर व्यक्ति का यह भी नैतिक दायित्व हैं खुद मतदान करें और अन्य लोगों कों भी प्रेरित करें। इस अवसर पर अर्चना सिंह, श्वेता सिंह, ऋषभ आदि लोग मौजूद रहें।

धान तौल में ऑफ लाइन किए जाने हेतु किसान बैठे धरने पर

धान की खरीद आनलाइन टोकन न मिलने पर परेशान किसान धरने पर बैठे।

अखंड भारत संदेश

लेडियारी। धान तौल हेतु आनलाईन टोकन न मिलने पर परेशान किसान साधन सहकारी समिति लेड़ियरी बाजार में सैकड़ों की संख्या में टोकन प्रक्रिया समाप्त करने को लेकर धरने पर बैठे। उग्र रुप में किसानों ने कहा कि यह ऐसा पहली बार हुआ है जो भाजपा सरकार में किसानों को अपनी धान तौलने एवं तौलकर भी अंगूठा न लगाए जाने की स्थिति पैदा हुई है। सरकार द्वारा तो किसानों के लिए टोकन बुक करने की बेवसाइट बना दी गई किंतु वह एक महज औपचारिकता बनकर रह गई है। टोकन बुक करने के लिए किसान तमाम तरीके तैयार करता है किन्तु बेवसाइट खुलते खुलते टोकन बुक हो चुका रहता है। जिस किसान का किसी तरह से टोकन भी बुक हो जाया करता है तो केंद्रों पर तौल ही नहीं होती दिखाई देती। किसानों ने यह भी कहा कि सरकार के नियमों और अधिकारियों के बीच पिस रहा है किसान और अगर सरकार द्वारा जल्द ही आफलाइन धान तौल का नियम नहीं लागू किया गया तो वह बड़े पैमाने पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस दौरान मुख्य रूप से रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी, रत्नाकर सिंह, शिव गणेश तिवारी, मदन किशोर मिश्र, दिनेश गहरवार, विंध्यवासिनी भूर्तिया, विप्रभवन भूर्तिया, त्रिजुगी नारायण मिश्र आदि सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

बंद पड़े आधा दर्जन धान क्रय केंद्रों के ताले खुले

शंकरगढ़। धान खरीद को बढ़ावा देने, किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे धान क्रय केंद्रों की स्थिति सुधारने में जुटे प्रशासन ने मंगलवार को जनपद के कई धान क्रय केंद्रों को फिर से खोल दिया है। इसमें बारा तहसील क्षेत्र के भी आधा दर्जन क्रय केंद्र शामिल हैं।

इन आधा दर्जन केंद्रों को पहले खोला गया था, लेकिन कतिपय कारणों से इनपर खरीद नहीं हो पा रही है। अब प्रशासन की तरफ से व्यवस्था में सुधार करते हुए इन पर खरीद की प्रक्रिया शुरू करवा दी गई है। इसमें तीन क्रय केंद्र नेफेड और तीन यूपीसीयू के हैं। विपणन क्रय केंद्र नारीबारी के प्रभारी सत्येंद्र सिंह सरोज ने बताया कि खरीद एजेंसी नेफेड ने जसरा, खटंगिया, सेहुंड़ा के क्रय केंद्रों पर खरीद शुरू कर दी है। जबकि यूपीसीयू के तीन क्रय केंद्रों रेही, बुंदावा, गाढ़ा कटरा में धान की खरीद की जा रही है। केंद्र के प्रभारी सत्येंद्र सिंह सरोज ने बताया कि उनके क्रय केंद्र नारीबारी में अनवरत खरीद की जा रही है। इस दौरान शासन की गाइड लाइन का पालन करने के साथ ही कोविडप्रोटोकाल का भी पालन करवाया जा रहा है।

पैदल जा रही महिला को बाइक चालक ने मारा टक्कर पैर टूटा

रत्योरा। स्थानीय थाना क्षेत्र के रत्योरा उसरी माइनर पर बाजार से वापस घर जा रही महिला को तेज रफ्तार बाइक चालक ने अनियंत्रित होकर पीछे से जोरदार टक्कर लगने से महिला का पैर टूट गया और गम्भीर चोटे आई ।पडोस वालो ने दौड़कर मौके पर पहुंचे ।बाइक चालक को भी मामूली चोटें आई ।मिली जानकारी अनुसार खीरी थाना क्षेत्र के देवीबाँध गांव निवासिनी पूनम देवी पत्नी शिवप्रसाद चौहान घर से मंगलवार दोपहर को समान खरीदने रत्योरा बाजार गई थी। और वापस नहर की पटरी पकड़कर पुनः घर वापस लौट रही थी। घर से लगभग 100मीटर दूरी बचा था ।तेज रफ्तार बाइक चालक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया जिससे महिला की पैर टूट गया। और पड़ोस वालो ने दौड़कर उठाया । बाइक चालक धर्मेन्द्र कुमार पुत्र नन्दकिशोर सिंह रत्योरा मोड़ का निवासी हैं ।परिजनों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायल महिला को कोरांव सीएचसी लाया गया जहाँ पर डॉक्टरों ने उपचार कर जिलाअस्पताल के लिए रिफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि पूनम डिलवरी है और गम्भीर चोटें आईं हैं।

सिकरो में संपन्न हुआ पशु आरोग्य मेला

रत्योरा। राजकीय पशु चिकित्सालय कोरांव की ओर से विकासखंड कोरांव के सिकरो ग्राम पंचायत में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जहां पशुपालकों को पशुपालन से जुड़ी जानकारियां दी गई, वहीं पशु चिकित्सालय कोरांव के चिकित्साधिकारी डॉ एस एन यादव ने पशुओं में होने वाली बीमारियों एवं उनके रोकथाम तथा बचाव के तरीकों की जानकारी दी। पशु चिकित्साधिकारी डॉ एसएन यादव ने पशुओं में होने वाली बीमारियों जैसे खुरपका, मुंहपका, किलनी, जुआ, गलघोंटू इत्यादि के बारे में बचाव व सुरक्षा की जानकारी देते हुए पशुपालकों को निशुल्क दवाओं का भी वितरण किया। इसी प्रकार पशु चिकित्सालय बड़ोखर के चिकित्सक डॉ दिलीप कुमार ने भी पशुपालकों को पशुओं में होने वाली बीमारियों एवं उनसे बचाव की जानकारी दी। दोनों चिकित्सकों ने पशुपालकों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का भी प्रचार प्रसार करते हुए योजनाओं से लाभान्वित होने की अपील की। चिकित्सकों के द्वारा बीमार पशुओं का उपचार भी किया गया जिनमें भैंस बकरी बत्तख इत्यादि प्रकार के पशुओं का उपचार कर विभिन्न प्रकार के पशुओं में होने वाली बीमारियों के प्रति पशुपालको को जागरूक किया। पशु आरोग्य मेले में ग्राम प्रधान सुशील कुशवाहा, विनय कुमार कुशवाहा समेत भारी संख्या में पशुपालक मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों, प्रधानों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं : सत्येंद्र त्रिपाठी

अखंड भारत संदेश

कोराव। कोरांव ब्लॉक परिसर में अखिल भार्तीय प्रधान संगठन उत्तर प्रदेश ब्लॉक संगठन द्वारा प्रधानों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ।जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष अखिल भारतीय प्रधान संगठन सत्येंद्र त्रिपाठी ने समस्त ग्राम प्रधानों का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया। और ब्लॉक कमेटी द्वारा प्रदेश मंडल जनपद तथा अन्य ब्लाकों से आए अध्यक्षों पदाधिकारियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। समारोह में प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी ने नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ सभी प्रधानों पदाधिकारियों को सम्मानित के साथ साथ संबोधित करते हुए कहा कि पंचायतों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा 73 वा संविधान संशोधन सरकार ने किया और सासनदेश भी निर्गत किया, किंतु लाभ क्या दिख रहा। त्रिपाठी ने कहा कि पंचायतों की खूबसूरती तभी आएगी जब पंचायतों की सुनी जाएगी। और पंचायतों के अधिकार,कर्तव्य,कृत्य, प्रसाशन के तहत प्रदत्त अधिकारों के मुताबिक प्रस्तावों के अनुसार विकास कार्य कराने की छूट हो। अन्यथा ग्राम पंचायतों का विकास संभव नही है। उन्होंने स्थानीय तहसील प्रशासन और विकास,आपूर्ति,पुलिस,राजस्व,पंचायतीराज के अफसरों द्वारा प्रधानों के शोषण उत्पीड़न पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह मुख्य मंत्री ने प्रदेश भर के प्रधानों को लखनऊ बुलवा कर सम्मान दिया और दस लाख तक के दुर्घटना मुआवजा का प्राविधान किया वह तो सराहनीय है, किंतु ब्लॉक और तहसील के अधिकारियों कर्मियों द्वारा प्रधानों को सम्मान न दिया जाए, उनके द्वारा प्रस्ताव शिकायतों पर उक्त अधिकारी कार्य और दंडात्मक कार्यवाही आरोपियों के विरुद्ध न करें,यह शोभा नहीं देता। त्रिपाठी ने कहा कि हम अपने अधिकारों को छीनना भी जानते हैं। अधिकारी ग्राम प्रधानों के साथ कोई एहसान नहीं करता। वह हमारा अधिकार है। यदि नहीं सुनेगा तो जिले के अधिकारी सुनेंगे वो भी नहीं सुने तो संगठन सासन से भी मिल कर कार्यवाही कराने में सक्षम हैं। मुख्य अतिथियों ने ग्राम प्रधान अल्हवा शहजादे मंत्री प्रयागराजमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा की यदि उचित दर विक्रेता अल्हवा के विरुद्ध उपजिलाधिकारी कोरांव कार्यवाही नहीं करता तो डी एम से मिल कर बचाने वाले अधिकारी को ही दंडित करायेंगें। और शहजादे से आग्रह किया कि अभी आप अपना त्याग पत्र न दें। क्योंकि मुख्य विकास अधिकारी ने भी आपूर्ति अधिकारी को कार्यवाही हेतु बोला है। उन्होंने कहा प्रधान और सचिव तालमेल से काम करें,आप सचिव के अधीन नहीं है। साथ ही प्रधानों को आगाह किया की ब्लॉक में किसी अधिकारी कर्मचारी को कमीशन न दें। क्योंकि निर्माण सामग्रियां और मजदूरी का पुराने जमाने का रेट निर्धारित है। और वर्तमान में सामग्री, मजदूरी, मंहगी है। ऐसी स्थिति में समग्र विकास नहीं हो सकता। क्योंकि प्रधानों को गांवों में कई समस्याएं जनता की अपने स्तर से ही झेलनी होती है। संगठन के मजबूती के लिए सदस्यता सूल्क जमा किए जाने का आह्वान किया, और नए मनोनीत पदाधिकारियों का खैर मकदम माल्यार्पण के साथ किया। कार्यक्रम में प्रांतीय संगठन मंत्री दिलीप कुमार सोनी, काजी मुअज्जम प्रदेश सचिव ने कमीशन खोरों के विरुद्ध जी भर कर अपनी भड़ास निकाली,कमल मिस्रा मंडल प्रभारी, अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ सहजादे मंडल महा मंत्री,जिलाध्यक्ष सुरेश चंद्र त्रिपाठी,अनिल शुक्ला जिला उपाध्यक्ष, शांती पांडेय,रामानुज यादव,ब्लॉक अध्यक्ष कोराव,राजेश दुवेदी,ब्लॉक अध्यक्ष उरुवा, सरण जीत भूर्तिया ब्लॉक अध्यक्ष मेजा,राजमणि दुवेदी ब्लॉक अध्यक्ष मांडा,कमल नारायण महामंत्री मांडा,रविंद्र शुक्ला,तथा ब्लॉक के सभी पदाधिकारी नीरज कुमार,वेद सिंह,ओम प्रकाश पाल,उर्मिला देवी,कमला देवी, अंजू कुशवाहा, हरिहर प्रसाद, नेहा सिंह, अतुल कुमार,मुरारी लाल मौर्य,विमल चंद्र,सद्दाम,सोना सिद्दीकी,यूसुफ खीरी,आजाद अहमद आदि प्रभाकर वर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी पंचायत कोरांव डी सी पाठक ने प्रधानों की समस्याओं को अपने स्तर से कमी न रखने की तसल्ली दी,और अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में शंकर दयाल तिवारी प्रधान बहराइचा को मंडल संगठन मंत्री मनोनीत किया, क्षेत्र पंचायत समिति ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में कपिल कुशवाहा,शिव बाबू को उपाध्यक्ष,संतोष कुशवाहा को मंत्री,यादवेंद्र यादव अहिर को महा मंत्री मनोनीत कर स्वागत किया। समारोह में एस डी एम और बी डी ओ के मौजूद न होने पर तथा एस डी एम द्वारा फोन न उठाने पे पद अधिकारियों ने निंदा कर सीधे डी एम और सी डी ओ से शिकायत करने की बात की।

अ.भा. प्रधान संगठन उत्तर प्रदेश ब्लॉक परिसर कोरांव में प्रधानों का आयोजित हुआ सम्मान समारोह

मुख्य अतिथि द्वारा मंडल और ब्लॉक तथा जिले के मनोनीत पदाधिकारियों के साथ ही प्रधान अल्हवा शहजादे को प्रमाण पत्र सहित माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए।

कीडगंज हत्याकांड में आरोपित निलंबित सिपाही सहित तीन चढ़े पुलिस के हत्थे

परेड ग्राउंड से निलंबित सिपाही को किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कीडगंज थाना अंतर्गत राम जानकी मंदिर के पास 28 दिसंबर को आबकारी विभाग के निलंबित सिपाही ने सरेराह बीजेपी विधायक के दो रिश्तेदार सहित 4 को गोली मार दी थी। जिसमें से एक की घटना के एक दिन बाद मौत हो गई थी। मंगलवार को पुलिस ने परेड ग्राउंड के पास से निलंबित सिपाही विमलेश पाण्डेय सहित तीन को गिरफ्तार कर लिया। एसपी क्राइम सतीश चंद्र ने गिरफ्तारी के बाद बताया कि निलंबित सिपाही बहुत शातिर है। इसने घटना को अंजाम देने के बाद वाराणसी, लखनऊ, मथुरा, गोरखपुर के बाद फिर प्रयागराज सरेंडर करने के इरादे से आया था।

25-25 हजार का इनाम घोषित था

भाजपा विधायक की हत्यारोपी सिपाही विमलेश पाण्डेय निवासी करछना व सतीश पाण्डेय थाना कोरांव पर प्रयागराज पुलिस ने 25-25 हजार का इनाम घोषित किया था। वहीं तीसरा आरोपी कृष्ण मुरारी उर्फ लाली शर्मा

पुलिस के गिरफ्त में निलंबित सिपाही व साथी

कीडगंज भी पुलिस के हत्थे चढ़ा। दरअसल पुलिस का सूचना मिली कि कीडगंज गोलीकांड के आरोपी विमलेश पाण्डेय अपने साथियों के साथ परेड ग्राउंड के पास मौजूद हैं। थानाध्यक्ष कीडगंज मनोज कुमार यादव, एसओजी शहर दिवाकर संह ने पुलिस फोर्स के साथ घेराबंदी कर दबोच लिया।

28 दिसंबर की रात मारी थी गोली

चायल से बीजेपी विधायक संजय गुप्ता के रिश्तेदार विनोद का चाट का कारोबार है। जिनके दो लड़के संदीप और विशाल हैं। 28 दिसंबर की रात विशाल अपनी चाट की दुकान पर थे। तभी आबकारी विभाग का निलंबित सिपाही विमलेश पांडेय पिस्टल निकालकर संदीप और उसके भाई विशाल उर्फ राजन के सीने पर सीधी फायरिंग कर दी थी। इसके अलावा दो अन्य को भी गोली लगी थी। विधायक के रिश्तेदार पर फायरिंग व बवाल की सूचना पर एडीजी जोन प्रेम प्रकाश ने चौकी प्रभारी नाका मानवेंद्र मिश्रा, मुख्य आरक्षी और बीट कांस्टेबल समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था।

खबर संक्षेप

रामपुर बृज मंगल इंटर कालेज में मिलन समारोह 7 जनवरी को : डॉ . पाण्डेय

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित बृज मंगल सिंह इंटर कालेज के परिसर में 7 जनवरी को मिलन जमुनापार 2022 कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। संयोजक डॉ.भगवत पाण्डेय ने बताया कि आपसी प्रेम सद्भाव और मिलन के इस कार्यक्रम का आयोजन जमुनापार जागृति मिशन और करछना के लोगों द्वारा दिन में 12 बजे से आयोजित किया गया है।कार्यक्रम में क्षेत्र के कवि,कलाकार और लोक गायको की प्रस्तुतियां होंगी वही क्षेत्र के शिक्षाविद्,समाजसेवियों,विभिन्न क्षेत्रों की युवा प्रतिभाओं को भी आमंत्रित किया गया है।उन्होने सभी क्षेत्र वासियों से कार्यक्रम में शरीक होकर सफल बनाने की अपील की है।इसकी तैयारियों को लेकर रामपुर वेद भवन में मंगलवार को एक बैठक भी की गई।

पंचायत भवन का हुआ लोकार्पण

सहसों। सहसों पंचायत भवन का मंगलवार को पूरे विधि-विधान के साथ लोकार्पण किया गया। पंचायत भवन का फीता काटने के बाद मुख्य अतिथि फूलपुर सांसद केसरी देवी पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का सभी ग्राम सभाओं में ग्राम प्रधान का सचिवालय बनाया गया है। जिसमें सभी ग्राम प्रधान, सेक्रेटरी और उनके कर्मचारी बैठेंगे। ग्राम सचिवालय में जनता को बिना दौड़ भाग किए सभी काम समय से पूर्ण हो सकेंगे। मौके पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि फूलपुर विधायक प्रवीण पटेल ने युवा ग्राम प्रधान विष्णु केसरवानी की तारीफ करते हुए कहा कि यह बहुत ही सराहनीय कार्य है। जिसके लिए आज हम सब एकत्रित होकर इसका लोकार्पण कर रहे हैं। बहादुरपुर ब्लाक प्रमुख अरुणेंद्र यादव डब्बू , जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल ने कहा कि यह भाजपा सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। प्रत्येक ग्राम सभा में आज पूरी सुविधा के साथ ग्राम पंचायत भवन का निर्माण संपन्न कराया गया है। ग्राम पंचायत भवन सहसों का नवीनीकरण व नवनिर्मित भवन का लोकार्पण कराया गया। आयोजक ग्राम प्रधान विष्णु केसरवानी ने आए हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर उन्हें अंगवस्त्रम भेंट किया। अध्यक्षता समाजसेवी व उद्यमी कैलाश चंद केसरवानी और संचालन राजेंद्र केसरवानी ने किया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी बहादुरपुर मृदुला, एडीओ पंचायत राम शंकर त्रिपाठी, ग्राम विकास अधिकारी पूजा सिंह, दिनेश प्रताप सिंह, धरनीधर दुबे, संदीप दुबे, राजधर दुबे, मनोज तिवारी, कलेक्टर पांडे, चंद्र प्रकाश केसरवानी , बबलू , शिव बाबू , गप्पू , पुष्कर सिंह आदि रहे।

अजय कुमार बने प्रयागराज के नए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अजय कुमार को प्रयागराज का नए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। अभी तक वे हरदोई के एसएसपी थे। उन्होंने आईआईटी कानपुर से बीटेक की पढ़ाई की है। वह मूलतः बस्ती के रहने वाले हैं। उन्होंने दुबई में 45 लाख रुपये के पैकेज की नौकरी छोड़कर आईपीएस की नौकरी चुनी थी। उन्हें अच्छे बेहतर काम के लिए डीजीपी का डीजीपी प्रशंसा चिन्ह भी प्रदान किया जा चुका है। अभी तक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी प्रयागराज के एसएसपी पद का कार्य देख रहे थे।

खाड़ी देश में थे इंजीनियर, नौकरी छोड़कर बने आईपीएस अफसर

अजय कुमार ने कानुपर आईआईटी से बीटेक करने के बाद खाड़ी देश में एक मल्टीनेशनल कंपनी में 45 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर नौकरी कर ली थी। कुछ साल नौकरी करने के बाद जब मन नहीं लगा तो नौकरी छोड़कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। प्रशासनिक सेवा में उनका यह पहला और आखिरी प्रयास था। सिविल सर्विसेज की तैयारी कर उन्होंने पहले और आखिरी प्रयास में 108वीं रैंक हासिल कर अपनी मेधा का लोहा मनवा दिया।

नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और संस्कृत विषय में है समान पकड़

खास बात यह है कि अजय कुमार केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं रखते। उन्होंने हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी और संस्कृत भाषा पर समान रूप से कमांड हासिल किया है। अजय कुमार बस्ती जिले के देऊरा पुरा गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता वंश बहादुर पांडेय ने बताया कि अजय कुमार पांडेय ने गांव के ही प्राथमिक विद्यालय से पढ़ाई की है।

स्कूल गोद लिया और बदल दी सूरत

अजय कुमार जब फिरोजाबाद के एसएसपी थे तो उन्होंने तत्कालीन डीएम रहीं नेहा शर्मा के आग्रह पर एक माध्यमिक विद्यालय को गोद लिया था। गोद लेने से पहले स्कूल की छत भी नहीं थी। आज इस विद्यालय को शहर के आदर्श विद्यालयों में गिना जाता है। इसके बाद अजय अबतक विभिन्न जिलों में रहते हुए 45 स्कूलों की सूरत बदलने का काम किया है।

10वीं में भी जिले के टॉपर रहे हैं अजय

छह भाईयों में 5वें नंबर अजय ने 10 साल की उम्र में स्कूल की शुरूआत की। दरअसल,बचपन में जब स्कूल गए तो पहले ही दिन शिक्षक की मार का डर उनके जेहन में घर कर गया। फिर 10 वर्ष तक स्कूल का मुंह न देखा। चौथी क्लास तक की पढ़ाई उनके ताऊजी ने उन्हे घर रहते ही कराई। 5वीं से स्कूल में जाने लगे। 6वीं, 7वीं व 8वीं कक्षा में लगातार स्कूल टॉप किया। इसके बाद दसवीं में बस्ती जिला टॉप कर दिया। इसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी गिनती तेज तर्रार और इनोवेटिव आईपीएस अधिकारी के रूप में की जाती है।

अपनादल नेता बृजेश पांडेय ने किया जनसंपर्क

प्रतापपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामसभा भवानीपुर, चांदोपारा, चतुर्भुजपुर, प्रतापपुर, सेमरी, छतौना, वारी, जंघई, खानपुर डांडी, थानापुर घोड़दौली, बीरापुर, बाबूपुर बेलों में प्रदेश महासचिव अपना दल बृजेश पांडेय ने जनसंपर्क कर अपनादल पार्टी की विचारधारा एवं रीत नीत को लोगों को बताया एवं आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास हेतु आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर भारत सिंह पटेल प्रदेश सचिव सहकारिता मंच, कमलेश कुमार पटेल जिला सचिव, विनोद कुमार मौर्य विधानसभा अध्यक्ष पंचायत मंच, प्रेमचंद्र पांडेय, शिवम, संदीप प्रजापति, राम विशाल पटेल, गोरेलाल भारतीय, अजीत सिंह यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा में हीरक जयंती पर चार दिवसीय कार्यक्रम

जसरा। क्षेत्र के एक इंटर कॉलेज का स्थापना के 75 वां वर्ष हीरक जयंती के रूप में मनाया जाएगा। जिसकी जानकारी विद्यालय के प्रबंधक व प्रधानाचार्य ने दी। जसरा के प्रतिष्ठित कालेज श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज में स्थापना का पचहत्तर वर्ष पूर्ण होने पर 8 जनवरी से हीरक जयंती के रूप में मनाया जाएगा। जिसमें चार दिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जो 8 जनवरी से शुरू होकर 11 जनवरी तक चलेगा। इस अवसर पर विद्यालय का वार्षिक खेलकूद, कवि सम्मेलन, श्री रामचरितमानस पाठ के साथ ही छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी की जाएगी । मंगलवार को विद्यालय के प्रबंधक विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता व प्रधानाचार्य डॉ०योगेंद्र सिंह द्वारा मीडिया कर्मियों अंगवस्त्रम देकर को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर कुलभूषण मिश्र, रामलखन प्रजापति, अचलेन्द्र जायसवाल, डा०देवेंद्र नाथ शुक्ल,विकास केसरी,जगदीश सिंह,श्याम जी केसरवानी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

भगवान प्रेम और भाव से भक्तो से मिलते है अभिमान से नही : पं. अभिषेक कृष्णम

लेडियारी। भगवान माया से नही मिलते,भगवान भक्ति से मिलते है,भगवान प्रेम से मिलते है, भगवान भाव से मिलते है। वेद व्यास जी की कथा को नारद जी ने श्रीमद्भागवत कथा के रुप में अठारह हजार श्लोकों में परिवर्तित किया था, जिनका आज कलयुग में हम श्रवण कर रहे हैं। धुंधकारी जैसा पातकी भी जिसका श्रवण कर भवसागर से पार उतर गया। दुःख की घड़ी में मनुष्य को धैर्य विचार कर कार्य लेना चाहिए। श्री हरि पर विश्वास पूर्वक छोड़ देना चाहिए। उक्त बातें संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन मंगलवार को व्यास आचार्य पं. अभिषेक कृष्णम हरिकिंकर जी महराज ने सर्वेश्वर हनुमान मन्दिर नारीबारी में कहीं। उन्होंने कुन्ती स्तुति, परिक्षित श्राप, शुकागमन और सती चरित्र का हिन्दी और संस्कृत में कहा कि हरि और गुरु की निन्दा करना और सुनना भी महा पातक है। कथा के अंत मे भागवत पुराण भगवान की आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। कथा में प्रमुख रूप से शरद गुप्ता,सूर्यभान सिंह, सूर्यकान्त शुक्ल, नरेन्द्र केसरवानी, ऋषि मोदनवाल, दिलीप कुमार चतुर्वेदी, बैजनाथ केसरवानी, इन्द्रमणि चौबे, केदार चौरसिया आदि रहे।

नसरुद्दीन राइन बनें समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष

फूलपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता फूलपुर निवासी नसीर उद्दीन राईन को पार्टी के प्रति लगन निष्ठा व समर्पण भाव को देखते हुए पार्टी द्वारा उन्हें इलाहाबाद की जनपद कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। मंगलवार को सपा जिलाध्यक्ष योगेश यादव ने पार्टी कार्यालय जार्ज टाउन में मनोनयन पत्र सौंपकर उनके उज्वल भविष्य की कामना की। नसीरुद्दीन राइन के जिला उपाध्यक्ष बनने पर स्थानीय कार्यकताओं में हर्ष व्याप्त रहा। वहीं जिला उपाध्यक्ष बनने पर नसीरुद्दीन राइन ने उच्च नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

विधायक ने इंटरलॉकिंग मार्ग का किया उद्घाटन

विधायक नीलम करवरिया की विकास मुहिम जारी, कहा, क्षेत्र में बुनियादी सुबिधाएं जरूरी, नेवढ़िया सहित दो मार्गों का हुआ लोकार्पण

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। क्षेत्रीय विधायक श्रीमती नीलम करवरिया पूरे सप्ताह भर में ताबड़तोड़ संपर्क मार्गों का लोकार्पण कर विकास को गति दी है नेवढ़िया में इन्टरलाकिग मार्ग के उद्घाटन के बाद उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि क्षेत्र का प्रत्येक मजरा सड़क मार्ग से जुड़ जाय जिससे आम लोगों के आवागमन में कोई दिक्कत ना आये।

विधायक श्रीमती करवरिया ने सोमवार को नेवढ़िया और कोटहा गांव में नव निर्मित संपर्क मार्गों का लोकार्पण कर आम जनता को सौंप दिया।बता दें कि क्षेत्रीय विधायक ने हाल में बकचूंदा,पाँती,तुलापुर,अटखरिया सहित कई मार्गों का उद्घाटन कर ,उन्होंने अपनी विकास की प्रतिबद्धता दोहराई है।उन्होंने कोटहा में कहा मैं जन प्रतिनिधि के नाते मेरा दायित्व बनता है कि क्षेत्र में वुनियादी सुविधाएं बहाल हों।आगे कोशिश रहेगी कि विकास की गति यूं ही बनी रहे।

कार्यक्रम में सहायक अभियंता अनिल पांडेय, विजयकांत मिश्र, लल्ला सिंह,

नेवढ़िया में सड़क लोकार्पण करती विधायक

गोमती प्रसाद मिश्र ,कमलेश मिश्र, शिवशंकर मिश्र, गेंदालाल बिंद ,रवि बिंद, पंकज दुबे, राहुल दुबे, पप्पू दुबे, बल्ली बिंद, रामराज गुप्ता, संतबकस सिंह जितेंद्र शुक्ला विधायक के निजी सचिव जितेंद्र शुक्लाआदि लोग उपस्थित रहे।

ओमिक्रॉन का बढ़ा खतरा 24 घंटे में 31 मिले नए मरीज , सक्रिय मरीजों की संख्या 100 के पार

प्रयागराज। कोरोना व कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन का खतरा बढ़ गया है। शहर में कोरोना का संक्रमण बहुत तेजी से पांव पसार रहा है। विशेष रूप से शहरियों को सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि शहरी क्षेत्र में ही कोरोना फैलने का खतरा ज्यादा है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 31 नए मरीज मिले हैं, यह सभी मरीज शहरी क्षेत्र में मिले हैं। चिंता की बात यह है कि कोरोना के केस कई गुना तेजी से बढ़ रहे हैं। यदि इसी तरह लापरवाही बरती गई तो आने वाले समय में जल्द ही पूरा प्रयागराज कोरोना महामारी की चपेट में आ जाएगा। मंगलवार को कुल 9250 सैंपलों की जांच की गई जिसमें 31 मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क हो चुका है।

शहर के घने इलाकों में कोरोना के मरीज ज्यादा

डॉ. गौरव के मुताबिक, मंगलवार को कोरोना के जो 31 मरीज मिले हैं वह शहर के अशोक नगर, सुलेम सराय, करेल, ड्रमंड रोड, धूमनगंज, रामनगर, झूंसी, खुल्दाबाद, रेलगांव,सिविल लाइंस, नैनी, मीरापुर, बेनीगंज और मेजा क्षेत्र के रहने वाले हैं। जनवरी में सबसे ज्यादा मरीज नए साल के पहले दिन से प्रयागराज में कोरोना का खतरा बढ़ गया है।

भीख नही सम्मान चाहिए, आशाओं को 21 हजार वेतनमान चाहिए

कोरोना वॉरियर्स आशाओं को राज्य स्वास्थ्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग, जिला मुख्यालय पर आशाओं ने किया विशाल धरना

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिले के विभिन्न सीएचसी/ पीएचसी/ स्वास्थ्य उपकेंद्र की आशाओं ने उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन सम्बद्ध ऐक्टू द्वारा राज्यव्यापी आह्वान पर शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से आज 4 जनवरी को विशाल धरना/ प्रदर्शन करते प्रयागराज जिलाधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

धरना प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए आशाओं ने कहा कि हम आशाओ ने कोरोना वैरीयर्स के रूप में कोविड जैसी वैश्विक महामारी के समय अपने जान की परवाह किए बगैर देश हित में, समाज हित में काम किया, कोरोना संकट में काम करते हुए हमारी कई आशा बहनो की जान चली गई, सरकार हमारी मेहनत और शहादत को देखते हुए हमारी समस्याओं पर गम्भीरता पूर्वक विचार करते हुए, हमें राज्य कर्मचारी का दर्जा देना चाहिए, हमारी न्यूनतम मानदेय 21हजार करना चाहिए लेकिन सरकार हमारे मानदेय को जितना बढ़ाया नही उससे कई गुना ज्यादा धन उसके झूठे प्रचार प्रसार में खर्च कर कर रही है, जो पूरी तरह से गलत है, सरकार ने अमोक्रिन वेरियंट यानी कोरोना की तीसरी लहर के नाम पर नाइट कर्फ़्यू शुरू कर दिया है, यदि कोई अनहोनी की स्थिति बनेगी तो हमी आशाएं पुनः अपना जीवन दाव पर लगा कर काम करेगी। धरने में *मुख्य अतिथि रहे इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉमरेड मनोज पाण्डेय ने आशाओं की मांगों का समर्थन करते हुए कहा* कि कोरोना संकट में कोरोना वॉरियर्स के रूप में जिस तरह आशाओं ने शहादत दिया है, ठीक उसी हमारे रेलवे के भी लगभग 26 सौ रेलवे कर्मचारियों ने शहादत दिया है, लेकिन रेलवे कर्मचारियों को तो तमाम जद्दोजहद के बाद सरकार ने कुछ मुआवजा भी दिया है, लेकिन आशा बहनों को उस तरह से मुआवजा नही दिया गया है, जो सरासर गलत है, हमारी यानी जनता की सवारी भारतीय रेलवे की बिक्री की जा रही है, जिसके खिलाफ हम लगातार संघर्ष कर रहे है, आज हम आपके धरने में है, कल को आपको हमारे साथ आना होगा, मिलजुलकर संघर्ष करते हुए ही श्रमिकों की लड़ाई को जीता जा सकता है। धरने में मुख्य रूप से ऐक्टू जिला अध्यक्ष एस सी बहादुर, कल्पना पटेल, बसंती मौर्या, रीता देवी, मंजू देवी, बबिता सिंह, विनोरामा, रेखा सिंह, सीता देवी, सरोज कुशवाहा, मीना सिंह, सुनीता पांडेय, शशि पांडेय, फूला देवी, पुष्पा यादव, उर्मिला देवी, रेनू, फातमी, सरिता देवी, मीणा पाल, गीता सिंह, मिथिलेश पटेल, शकुंतला, रेखा, रंजू पटेल इत्यादि के साथ ही आइसा से विवेक सुल्तानवी, मनीष कुमार, सीमांत, हाइकोर्ट अधिवक्ता चंद्र पाल, माता प्रसाद, इंटक जिला अध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह, इफ्फो मजदूर नेता देवनन्द, त्रिलोकी पटेल, सुभाष चंद्र मौर्य, ओम प्रकाश, अनुपम, खेग्रामस से पंचम लाल, सफाई मजदूर एकता मंच से राम सिया, इनौस से प्रदीप ओबामा ने समर्थन किया। प्रयागराज एसीएम प्रथम को 14 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौपा गया, जिनमें मुख्य रूप कोरोना वैरीयर्स आशाओं को राज्य स्वास्थ्य कर्मचारी का दर्जा देना, आशाओं को न्यूनतम 21 हजार वेतनमान देना, आशाओं का 50 लाख का जीवन बीमा और 10 लाख का स्वस्थ्य बीमा करना, शाहजहांपुर की आशा पूनम पांडेय सहित अन्य आशाओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग की गई, कार्यक्रम के अंत में फुलपुर की आशा पुष्पा देवी व कविता के पति और रेनू बाला की माँ की कोरोना से हुई मौत सहित देश भर में कोरोना से हुई आशाओं एवं उनके परिजनों की मौत पर दो मिनट का मौन रखते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। धरने की अध्यक्षता पुष्पा देवी ने और संचालन ऐक्टू राष्ट्रीय सचिव डॉ कमल उसरी ने किया तथा ऐक्टू जिला अध्यक्ष एस सी बहादुर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कांग्रेस कार्यकताओं की बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

सहसों। मंगलवार को बाबू गंज बाजार में कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में एक बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अशफाक अहमद ने कहा कि देश में बढ़ती हुई महंगाई बेरोजगारी एवं गुंडागर्दी पर मौजूदा सरकार का काबू नहीं रह गया है। भाजपा शासनकाल में गरीबों की थाली से दाल और सब्जियां गायब हो चुकी हैं। महंगाई से जनता बेहाल और त्रस्त है स्वास्थ्य रक्षक दवाइयों के दाम आसमान छू रहे हैं जिससे जनता में भयंकर रूप से आक्रोश व्याप्त है। जनता पानी बिजली एवं किसान डीएपी यूरिया और कीटनाशक दवाइयों की मार झेल रहा है। परंतु मौजूदा सरकार के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एडवोकेट देवराज उपाध्याय ने कहा कि मूलभूत जरूरत के सामानों के दाम आसमान छू रहे हैं। पेट्रोल तेल कुकिंग गैस कि महंगाई से जनता की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है जिसके लिए पूर्ण रूप से भाजपा सरकार जिम्मेदार है। भाजपा की

बैठक करते कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं नेतागण।

गलत नीतियों के परिणाम स्वरूप जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। यदि जनता समय रहते इस सरकार को नहीं उखाड़ सकती है तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दिलीप कुमार दुबे , सुभाष चंद विश्वकर्मा, मोहम्मद युसूफ,शिव लाल यादव, तहजीब उल हसन,रचना पाण्डेय, बबलू प्रधान, सरफराज अहमद, सिकंदर अली , तौफीक अहमद, शफीक हाफिज, रंजीत यादव,आदि लोग उपस्थित रहे।

माघ मेले में श्रद्धालुओं के इलाज के लिए तैयार हो चुका है गंगा और त्रिवेणी अस्पताल

प्रयागराज। संगम के तट पर आयोजित होने वाला माघ मेला नजदीक है तो वहीं दूसरी जिले में कोरोना का संक्रमण भी तेजी से फैल रहा है। ऐसे में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के लिए बड़ी चुनौती है। पिछली बार की तर्ज पर इस बार भी माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कोरोना की आरटी-पीसीआर जांच अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सख्त निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं। मेले में उन्हीं श्रद्धालुओं को इंट्री दी जाएगी जो मेले में आने के 48 घंटे पहले की आरटी-पीसीआर रिपोर्ट लाएंगे। कल्पवासियों के लिए भी यही व्यवस्था लागू होगी। माघ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखा जाएगा। इसके लिए मेला क्षेत्र में दो अस्पताल (गंगा और त्रिवेणी चिकित्सालय) 20-20 बेड के बनाए गए हैं। दो दिन पहले 20 बेड के त्रिवेणी अस्पताल का शुभारंभ किया गया है और दूसरे गंगा चिकित्सालय का श्रीगणेश मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नानक सरन द्वारा मंगलवार को किया गया।

साकेत गर्ल्स पीजी कालेज की पांच छात्राओं को राज्यपाल ने किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रो0 राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय, प्रयागराज के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में साकेत गर्ल्स पी0जी0 कालेज प्रतापगढ़ की छात्राओं को गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल एवं ब्रांज मेडल राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल द्वारा देकर अलंकृत किया गया।

साकेत गर्ल्स पी0जी0 कालेज प्रतापगढ़ की छात्राओं में पूर्णिमा पाण्डेय एम0ए0 (गृह विज्ञान) को गोल्ड मेडल, नेहा अखतर एम0ए0 (उर्दू) को सिल्वर मेडल, जमीला बानो एम0ए0 (उर्दू) को सिल्वर मेडल, प्रतिभा सिंह एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) को सिल्वर मेडल व नेहा यादव एम0ए0 (गृह विज्ञान) को ब्रांज मेडल दिया गया। यह जानकारी साकेत गर्ल्स पीजी कालेज प्रतापगढ़ की प्राचार्य डा0 नीलिमा श्रीवास्तव ने दी। उधर संपूर्णानंद संस्कृत यूनिवर्सिटी वाराणसी में टॉप करने वाले रवि जायसवाल को दीक्षांत समारोह मे आज राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नौ स्वर्ण पदक प्रदान किया। रवि जायसवाल ने संपूर्णानंद संस्कृत यूनिवर्सिटी में आचार्य साहित्य विषय में सर्वाधिक 94 प्रतिशत अंक पाकर विश्वविद्यालय टॉप किया है। बता दें कि प्रतापगढ़ के भगवा चुंगी निवासी व्यापारी अशोक कुमार जायसवाल के पुत्र रवि जायसवाल को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने आज सोमवार को वाराणसी में हुए कार्यक्रम में नौ स्वर्ण पदक दिया। रवि ने बताया कि वह कॉलेज के अलावा सात से आठ घंटे पढ़ाई करते हैं और वह वाराणसी से पीएचडी भी कर रहे हैं। उनका लक्ष्य कॉलेज में प्रोफेसर बनना है। राज्यपाल से स्वर्ण पदक मिलने पर पूरा परिवार बहुत खुश हैं। प्रतापगढ़ का पहली बार कोई छात्र सर्वाधिक नौ गोल्ड मेडल पाकर जिले का नाम रोशन किया है।

रवि जायसवाल ने नौ स्वर्ण पदक किया हासिल

राज्यपाल द्वारा सम्मानित साकेत गर्ल्स पीजी कालेज की छात्राएं।

बीडीओ ने गो-शाला का किया औचक निरीक्षण, खामियां दूर करने का दिया निर्देश

वकासखण्ड के पहाड़पुर स्थित गोशाला का खण्ड विकास अधिकारी अश्विनी कुमार ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने यहां मिली खामियों को दूर करने के लिए संचालक को निर्देश दिया। बीडीओ अश्विनी कुमार ने गौशाला मे बाउण्ड्री वॉल बनवाये जाने के लिए तहसीलदार से वार्ता कर शीघ्र कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने गौशाला मे रहने वाले मवेशियो के लिए अलाव व ठण्ड से बचाने के लिए बोरियों की व्यवस्था भी करायी। यहां भूसा रखने के लिए अलग से भूसा घर बनाने व आसपास घूम रहे मवेशियो को भी पकड़वाकर गोशाला मे रखने की बात कही। जिससे किसानो की फसलों को नुकसान होने से बचाया जा सके। इसके पश्चात पहाड़पुर मे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि देवदत्त शुक्ल के द्वारा कराए गए विकास कार्यो की समीक्षा की और संतोष व्यक्त किया। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी संदीप यादव, रामखेलावन वर्मा, विनोद वर्मा, नीरज, रमेश, हरकेश आदि मौजूद रहे।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राम शिरोमणि वर्मा कांग्रेस में शामिल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम शिरोमणि वर्मा आज कांग्रेस का दामन थाम लिया। बसपा से अपनी राजनीति शुरु करने वाले राम शिरोमणि वर्मा का नाम जिले में अपना दल के संस्थापकों में गिना जाता है लेकिन अब उनका मन अपना दल से भी रुठ गया है।

आज उन्हें कांग्रेस के जिलाध्यक्ष लालजी त्रिपाठी ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराई। यह जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष ने जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित पत्रकारों को बताया कि राम शिरोमणि वर्मा के कांग्रेस में आने से कांग्रेस मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि छह जनवरी को कुण्डा में, सात जनवरी को विश्वनाथगंज, आठ जनवरी को पट्टी तथा नौ जनवरी को रानीगंज विधान सभा में विधान सभा स्तर के सम्मेलन आयोजित किये गये हैं जिसकी तैयारी विधान सभा स्तर पर की जा रही है। एक प्रश्न के उत्तर में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष लालजी त्रिपाठी ने कहा कि जिले की सात विधान सभा सीटों में तीन सीटों पर कांग्रेस महिला उम्मीदवार उतारेगी। रामपुर खास में विधायक आराधना मिश्र मोना का उम्मीदवार होना तय है। दो और क्षेत्रों से महिलाएं उम्मीदवार बनेंगी। इसके लिये आवेदन अभी से आने लगे हैं। पत्रकारवार्ता में जनपद प्रभारी रणवीर सिंह सलूजा, पूर्व जिलाध्यक्ष नरसिंह प्रकाश मिश्रा, शहर अध्यक्ष इरफान अली, उपाध्यक्ष डा0 वीके सिंह तथा मीडिया प्रभारी वेदान्त तिवारी भी मौजूद रहे।

पत्रकारवार्ता में बोलते जिलाध्यक्ष लालजी वर्मा।

हरा पेड़ काटने के मामले मे अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। चंदन के हरे पेड़ काटने के मामले मे पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे साधवराम निवासी राम नारायण के पुत्र बृजेन्द्रमणि द्विवेदी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बीती सत्ताईस दिसंबर की रात रामपुर बावली चैराहे पर स्थित उसकी आरामशीन के पीछे बाग से तीन हरे पेड़ अज्ञात चोर काट ले गये। पीड़ित के मुताबिक चोरी गया तीनों पेड़ चंदन का था। पीडित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने सोमवार की रात अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सीनियर बार एसोसिएशन के विजयी पदाधिकारीगण।

सीनियर बार एसोसिएशन के चुनाव में राम शंकर अध्यक्ष व गुलाब सिंह महामंत्री बने

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सीनियर बार एसोसिएशन का चुनाव आज कचहरी परिसर में चुनाव समिति के संयोजक रामराज ओझा तथा उनके सहयोगीगण जयनारायण सिंह, माधव प्रसाद, वसीम खान, ओम प्रकाश खण्डेलवाल की देखरेख में सम्पन्न हुआ जिसमें अध्यक्ष पद पर राम शंकर सिंह 353 मत पाकर विजयी घोषित हुए। भूपेन्द्र सिंह को 92 मत मिले और शिवराम को 28 मत मिले। वरिष्ठ उपाध्यक्ष में साबिरा खातून और कनिष्ठ उपाध्यक्ष में राम कुमार निर्विरोध चुने गये।

महामंत्री पद पर गुलाब सिंह 107 मत पाकर विजयी घोषित हुए। वह अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी विजय पाल सिंह से एक मत से विजयी हुई। विजय पाल को 106 मत मिले थे। जबकि राजेश्वर प्रताप को 61 मत मिले। संयुक्त मंत्री प्रशासनिक के पद पर बृजेन्द्र पाल सिंह और संयुक्त मंत्री के पद पर विवेक कुमार सिंह चुने गये। कुल 283 मत थे जिसमें से 275 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। एक मत अवैध रहा।

बेहतरीन शायर के साथ ही स्वतंत्रता संग्राम के मजबूत सिपाही थे नाजिश प्रतापगढ़ी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। उर्दू शायरी के सम्मान से विभूषित जिले के शायर मरहूम नाजिश प्रतापगढ़ी सिर्फ एक उम्दा शायर ही नही वरन वे स्वतंत्रता संगाम के एक मजबूत सिपाही भी थे। प्रतापगढ़ जनपद के सिटी कस्बे में एक सम्पन्न जमींदार घराने में जन्म लेने वाले नाजिश प्रतापगढ़ी जब मात्र नौ वर्ष के थे तभी उन्होने अंग्रेजो हिन्दुस्तान छोड़ो आन्दोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया था। उक्त बातें राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं सामाजिक संस्था जनहित सेवा संस्थान अमेठी द्वारा आयोजित नाजिश प्रतापगढ़ी की हयातों खिदमत विषय पर आयोजित सेमिनार व मुशायरे के दौरान राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज अमेठी की प्राचार्या डॉ0 फूलकली गुप्ता ने कही। क्षेत्र के नवहा शाहबरी स्थित अखिलेश इण्टर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोगो को सम्बोधित करते हुए समाजसेवी बिन्देश्वरी प्रसाद दुबे ने कहा कि शायर नाजिश प्रतापगढ़ी को उनकी विद्वता के लिए उन्हे साहित्य का हिमालय भी कहा जाता है। बनारस से आये समाजसेवी बीएल प्रजापति ने कहा कि 1984 में दिल्ली के लालकिले के मुशायरे में जब प्रतापगढ़ी ने अपना कलाम पेश किया तो तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह भी भावुक हो गये थे। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि पधारे सपा नेता पूर्व ब्लॉक प्रमुख व सदस्य जिला पंचायत अमरेन्द्र सिंह पिन्टू व अध्यक्ष व्यापारमण्डल रणविजय सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। जनहित सेवा संस्थान द्वारा आयोजित सेमिनार के बाद शुरू हुए मुशायरे में परवाना प्रतापगढ़ी ने पढ़ा कि अश्क ये बह रहे है तुम्हारे लिए रंजोगम सह रहे है तुम्हारें लिए वहीं विद्वान शायर डॉ0 अनीस देहाती ने वर्तमान सामाजिक विसंगति पर कटाक्ष करते हुए पढ़ा कि राम-रमउझा दुआ बन्दगी यस गायब भा पांडे, कामिल अमेठवी ने पढ़ा-जो सर उठायेगा उसको हम कुचल देंगे, वतन पे जान लुटा देंगे। रमेशर सिंह निराश, मकसूद जाफरी, लईक सुल्तानपुरी, शैदा सुल्तानपुरी व समीर मिश्र आदि शायरों ने भी अपनी-अपनी रचनाएं सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इसके पहले संस्थाध्यक्ष संजय पाण्डेय एवं उपाध्यक्ष पवन पाण्डेय तथा कोषाध्यक्ष श्रीनाथ सिंह द्वारा आये हुए अतिथियो व शायरों को शाल व प्रतीक चिन्ह देकर तथा पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। मॉ वाणी वन्दना से प्रारम्भ हुए कार्यक्रम में शायरों व वक्ताओं ने उपस्थित जन समूह को भूरपूर जानकारी देने के साथ-साथ उनका मनोरंजन भी किया।

अखिलेश इण्टर कालेज मे जनहित सेवा संस्थान के तत्वाधान में हुआ कार्यक्रम

सांगीपुर के अखिलेश इण्टर कालेज मे शायरी पढ़ते शायर व मंचासीन अतिथि।

रास्ते के विवाद मे दो पक्षों के बीच मारपीट, गोली लगने से अधेड़ घायल

परिजनों की तहरीर पर दो आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। रास्ते के विवाद में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में गोली चलने से एक अधेड़ घायल हो गया। लालगंज सीएचसी मे प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मामले मे दो आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के भागीपुर निवासी चंद्रभान मिश्र उर्फ नन्हें मिश्र पुत्र रामलखन ने पुलिस को दी गई तहरीर मे आरोप लगाया है कि मंगलवार की सुबह साढ़े दस बजे रास्ते के विवाद मे गांव के संतोष मिश्र व कुलदीप ने असलहे से लैस होकर परिवार के सूबेदार मिश्र पर हमला बोल दिया। आरोपियो ने सूबेदार की पिटाई करते हुए उस पर तमंचे से फायर झोंक दिया। आरोप है कि सूबेदार के हाथ मे गोली लगने से वह घायल हो गया। पीड़ित को आननफानन मे परिजन लालगंज सीएचसी ले आये। यहां उपचार के बाद पीड़ित को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। तहरीर पर संतोष व कुलदीप के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना की जानकारी पर सीओ रामसूरत सोनकर अस्पताल पहुंचे और पीड़ित व उसके परिजनों से पूछताछ की। सीओ ने बताया कि दो पक्षो मे मारपीट की सूचना मिली थी। गोली लगने की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस को जांच के आदेश दिये गये है।

सीओ के आदेश पर महिला से मारपीट के तीन आरोपियों पर दलित उत्पीड़न का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सीओ के आदेश पर अनुसूचित जाति की महिला से मारपीट के आरोप मे तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। लालगंज कोतवाली के कल्यानपुर निवासी सुशील कोरी की पत्नी पूजा कोरी ने सीओ रामसूरत सोनकर को दिये गये शिकायती पत्र मे आरोप लगाया है कि बीती तीन जनवरी की शाम पांच बजे गांव के प्रज्ज्वल सिंह पुत्र जगजीत सिंह उर्फ ढनंगू, सागर सिंह पुत्र अवधेश सिंह, सत्येंद्र सिंह पुत्र जिलाजीत सिंह ने एकराय होकर कुल्हाड़ी से उसको मारपीट कर लहूलुहान कर दिया। आरोपियो ने घर मे घुसकर मारपीट व तोडफोड के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी।

पीडिता की शिकायत पर सीओ ने कोतवाली पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। आदेश के अनुपालन मे कोतवाली पुलिस ने देर रात प्रज्वल सिंह समेत तीनों आरोपियो के खिलाफ घर मे घुसकर मारपीट, तोडफोड व दलित उत्पीडन का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीओ रामसूरत सोनकर ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है, जांच के बाद ही आरोपियो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रिटायर्ड उपनिरीक्षक की मौत पर शोक की लहर

बाघराय, प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के पूरेशिवभीख बाघराय निवासी रिटायर्ड उपनिरीक्षक लक्ष्मी नारायण मिश्र के निधन हो जाने से बाघराय क्षेत्र में शोक की लहर है। रिटायर्ड उपनिरीक्षक की मौत से जहां गांववासियों ने गहरा दुख जताया है। वहीं पूरे शिवभीख बाजार के व्यापारियों ने अपनी अपनी दुकानें बंद करके गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में साक्षात्कार आज

प्रतापगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य बी0बी0 सिंह ने बताया है कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतापगढ़ में पांच जनवरी को कैम्पस साक्षात्कार का आयोजन किया जायेगा। उन्होने बताया है कि जनपद में आई0टी0आई प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके प्रशिक्षार्थियों हेतु कोबैस क्राप लिमिटेड पांच जनवरी को प्रातः 10 बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतापगढ़ परिसर में करेगी। समस्त इच्छुक युवक युवतियॉ जो अपनी अर्हताएं पूर्ण करते हो प्रतिभाग करें। कम्पनी द्वारा चयनित प्रशिक्षार्थियों को वेतन दिया जायेगा। विस्तृत जानकारी जनपद के समस्त राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है।

फूलचंद्र मिश्रा ने गायों को ओढ़ाया कम्बल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बहुजन समाज पार्टी के पट्टी विधानसभा प्रत्याशी फूलचंद मिश्रा विकासखंड बाबा बेलखरनाथ धाम क्षेत्र के विभिन्न गांव में भ्रमण कर सांगा पट्टी गांव में स्थित गौशाला में पहुंचकर गायों को कंबल ओढ़ाकर ठंड से बचने के लिए 3 दर्जन से अधिक गायों को कंबल पहनाने का कार्य किया। फूलचंद मिश्रा ने कहा कि गौशाला सहित अन्य विकास कार्यों की अनदेखी नहीं की जाएगी और लोगों से अपील किया कि हर वक्त हर समय कंधे से कंधा मिलाकर सर्व समाज के लोगों के साथ चलूंगा। हर धर्म और हर वर्ग के लोगों के मान सम्मान पर आंच नहीं आने दूंगा। इस दौरान लालचंद गौतम जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी विधानसभा अध्यक्ष अखिलेश गौतम करमचंद गौतम सहित तमाम बसपा पदाधिकारी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

गायों को कम्बल ओढ़ाते फूलचंद्र मिश्रा।

दबे कुचले व पिछड़ों के मसीहा थे स्व. राम नरेश: डॉ विजय

अखंड भारत संदेश

राम नरेश यादव की पुण्यतिथि पर अर्पित किये श्रद्धा सुमन

परियावां, प्रतापगढ़। समाज में उसी को याद किया जाता है, जो अपने जीवन काल में अपने लिए नहीं जीता बल्कि दूसरों के लिए समाज सेवा करते हुए प्राण त्याग करता है। ऐसे थे खाटी समाजवादी नेता स्वर्गीय राम नरेश यादव, जो समाज के दबे कुचले व किसानों के मसीहा के रूप में जाने जाते थे।

उक्त बातें सपा नेता व प्रधान स्वर्गीय राम नरेश यादव की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पैतृक गांव रामचंद्रपुर बाबागंज में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि मां ज्वालामुखी देवी मंदिर ट्रस्ट सचिव डॉ विजय यादव अपने संबोधन में व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि स्वर्गीय रामनरेश हमेशा दूसरों के लिए जीवन भर संघर्ष करते रहे। इसीलिए उन्हें समाज के दबे कुचले शोषित पीड़ित व सर्वहारा वर्ग का मसीहा कहा जाता है। आज वह समाज के लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने हुए हैं। कार्यक्रम को समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष डॉ सगीर अहमद,जिला सचिव भागीरथी यादव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संजय यादव, बाबागंज विधानसभा के भावी प्रत्याशी रमेश कुमार सरोज ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। श्रद्धांजलि सभा के संयोजक लाल बहादुर यादव ने सभी के प्रति धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। इस मौके पर रामचंद्र यादव, बैजनाथ पाल, महेंद्र प्रताप यादव, राकेश सरोज, खिलाड़ी कोटेदार, जिया लाल प्रजापति, राजाराम यादव, राम प्रसाद यादव, गया प्रसाद सरोज, प्रदीप सेन, प्रधान गुले चंद्र सरोज समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पैसा की मांग पूरी न करने पर वीडियो वायरल करने की दे रहे धमकी

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगज थाना क्षेत्र के नटोही गाव निवासी जितेंद्र कुमार पुत्र लालजी सरोज ने मंगलवार को नवाबगज पुलिस को दिए गए तहरीर में आरोप लगाया है कि गाव के तीन लोग किसी अज्ञात लड़की की वीडियो बनाकर पैसे की मांग कर रहे हैं। पैसे न देने पर उसे वायरल करने की धमकी दे रही हैं और मेरे मोबाइल पर मैसेज भेज रहे हैं तथा रास्ते मे मिलने पर जाति सूचक शब्द का प्रयोग करते हुए गाली गलौज देते हैं, जिससे पीड़ित परिवार डरा व सहमा हुआ है। इस बाबत जानकारी करने पर थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है जिसकी जांच कर कार्रवाई करने की बात कही।

न्यू एंजिल्स स्कूल में 6 जनवरी को होगा टीकाकरण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़/पट्टी। शहर में कटरा रोड स्थित न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में छह जनवरी को 15 से 18 वर्ष के छात्र-छात्राओं का टीकाकरण किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए स्कूल की प्रबंधिका डा0 शाहिदा ने बताया कि अधिक से अधिक इस आयु के बच्चे टीकाकरण का लाभ उठा लें। कोरोना बढ़ रहा है। ऐसे में छात्र-छात्राओं के लिये इससे बचने का उपाय टीकाकरण ही है। उधर समाज सेवा के क्षेत्र में काम कर रहा जय बजरंगबली सेवा संस्थान के तत्वावधान में 6 जनवरी को अशोकपुर चरैया गांव में 15 से 18 वर्ष तक के किशोरों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी की तरफ से टीकाकरण कराया जाएगा संस्थापक अभिषेक शुक्ला एडवोकेट पट्टी पवन कुमार पांडे मीडिया प्रभारी आकाश तिवारी प्रदेश प्रभारी राकेश तिवारी दुर्गेश पांडे जिला उपाध्यक्ष विवेक राम त्रिपाठी उर्फ बबलू महाराज रत्नाकर पांडे अंकित पाठक मानवेंद्र आदि लोगों ने इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी के अध्यक्ष नीरज सिंह से मुलाकात करके स्वीकृत प्रदान किये।

खबर संक्षेप

अब्बासी महासभा के अध्यक्ष बने सफीक अब्बासी

कौशांबी। ऑल इंडिया अब्बासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी शमशेर अब्बासी के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष अख्तर हुसैन अब्बासी एडवोकेट ने मोहम्मद शफीक अब्बासी को मनोनयन पत्र जारी करते हुए अब्बासी महासभा का कौशांबी जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है उन्होंने अपने मनोनयन पत्र में लिखा है कि आप से उम्मीद की जाती है कि आप अब्बासी समाज को संगठित कर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महासभा आपके सफलता की कामना ऊपर वाले से करता है मनोनयन पत्र जारी करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने निर्देशित किया है कि 15 दिनों के अंदर जिला कार्यकारिणी का गठन कर इसकी सूचना प्रदेश कार्यालय को भेजा जाए जैसे ही अब्बासी समाज के लोगों को मोहम्मद शफीक के मनोनयन की जानकारी हुई लोगों ने उन्हें माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया है इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि मोहम्मद सफीक संघर्षशील जुझारू कर्मठ व्यक्ति हैं ऑल इंडिया अब्बासी महासभा द्वारा शफीक अब्बासी के मनोनयन से महासभा मजबूत होगा।

गिरफ्तार करो गिरफ्तार करो रोजवैली के घोटालेबाज को गिरफ्तार करो : कांग्रेस

अखंड भारत संदेश

कांग्रेस कार्यकताओं पदाधिकारियों ने कलक्ट्रेट में प्रदर्शन कर रोजवैली पल्स इंडिया सहारा में गरीबों का जमा धन वापस कराने की किया मांग

ज्ञापन सौपते कांग्रेसी नेता

कौशाम्बी। सहारा ग्रुप पल्स इंडिया और रोजवैली कंपनी में धन जल्द दूना करने की लालच देकर गरीब कमजोर मजलूम आम जनमानस से जिले के गांव गांव के हजारों लोगों से सैकड़ो करोड़ रुपए जमा कराने के बाद कंपनी ने आम जनता का धन वापस करने से मना कर दिया है जमा धन यह वापस नहीं कर रहे लोगों ने इन कंपनियों को यह पैसा सरकार की जिम्मेदारी पर दिया था। आज जब यह कंपनियां लोगों का धन नहीं वापस कर रही हैं तो सरकार की जिम्मेदारी है। इन कंपनी के लोगों से व्यक्तिगत उनके संपत्तियों को नीलाम कर लोगों का जमा धन वापस कराए। इस मांग को लेकर कांग्रेस के कार्यकताओं ने जिला मुख्यालय में प्रदर्शन कर लोगों के जमा धन को वापस कराए जाने की मांग उठाई और राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष अरुण विद्यार्थी ने किया जबकि बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में प्रदेश सचिव व जिले के प्रभारी रामकिशन पटेल रहे। इस मौके पर आवाज उठाते हुए पार्टी जिलाध्यक्ष अरूण विद्यार्थी ने कहा कि सरकार जानबूझकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है क्योंकि सरकार के लोग इन आरोपियों को बचाना चाहते हैं। उन्होंने इन कंपनियों के लोगों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई कराए जाने की मांग की साथ ही लोगों का पैसा वापस करने की बात उठाई। इस मौके पर जिले में रोजवैली कंपनी द्वारा की गई ठगी का खुलासा करते हुए कहा कि जिले में भाजपा के एक बड़े नेता जिनके अपने परिवार के लोग माननीय हैं। उन्होंने इस तरह से बड़ी ठगी को अंजाम दिया और आज वह सत्ता में भागीदार है ऐसे में सरकार की कार्यवाही पर ना किया जाना दिखाता है कि सत्ता के लोग इस ठगी में बराबर के हिस्सेदार हैं। पार्टी के लोगों ने एक स्वर में ऐसे लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग उठाई और साथ लोगों का पैसा वापस कराए जाने की मांग उठाई। इस मौके पर प्रमुख रूप से आशीष कुमार मिश्रा पप्पू, वेद प्रकाश सत्यार्थी हर्षवर्धन दुबे रामकिशुन कोरी मो. शाहिद सिद्दिकी, मिसबाहुल ऐन, बरसाती लाल पाण्डेय, भारत गौतम, नन्हे सरोज, ब्रिजेस कुमार, लालचंद्र बाल्मिकी, देशराज पटरिया, रहीश भागीरथी पटेल विनय पासी, इजहार अब्बास, रविकरण सिंह, भूपेंद्र सिंह, बीरू पासी, हर्ष पासी, जितेन्द्र शर्मा, कमलकांत शुक्ला, अजय पाण्डेय, नर्मदा वर्मा, मो सफीक सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

एएसपी ने किया कौशांबी थाने का निरीक्षण

कौशाम्बी। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कौशाम्बी का अर्धवार्षिक निरीक्षण सोमवार को किया है थाना निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने मातहतों को कानून का पाठ पढ़ाया है निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया है अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अभिलेखों मालखाना शास्त्र अभिलेखागार आदि का निरीक्षण कर थाने की स्थितियां देखी उन्होंने गस्त रजिस्टर और शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की भी स्थिति को देखा और अधीनस्थों को कानून के पालन में तेजी लाने का निर्देश दिया है निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने थानेदार ने कहा कि वह अपराधियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखें और अपराध करने वाले लोगों को चिन्हित कर उन पर कठोर कार्यवाही करें।

गजब : अब सरकार ने माना गांव में 3 लोगों को ही लगेगी ठंड

अखंड भारत संदेश

घिनौनी राजनीति की हद कंबल वितरण में भी देखे जा रहे है वोट की राजनीति, हद तो तब हो गई है जब ठंड लगने के बाद गरीब कमजोर मजलूम लोगों को नेता से कम्बल मांगना पड़ेगा

अझुवा कौशाम्बी। सरकार का भी गजब का कारनामा है इस बार कंबल वितरण में सरकार ने गांव में 3 लोगों को कंबल वितरण का निर्देश दिया है सरकार यह मान रही है कि गांव के केवल 3 लोगों को ही ठंड लगेगी अन्य लोगों को ठंड नहीं लगेगी या फिर उनके पास पर्याप्त संसाधन है राजनीति का स्तर कितना गिरता जाएगा इसका अंदाजा जनता नहीं लगा पा रही है इन दिनों कपकपाती ठंड में सरकार के निर्देश पर कंबल वितरण का कार्यक्रम चल रहा है लेकिन कंबल वितरण कार्यक्रम में भी अपने मतदाताओं को वरीयता दी जा रही है आखिर कंबल वितरण गरीब कमजोर मजलूम जरूरतमंदों के लिए सरकार ने योजना बनाई है या फिर वोट की राजनीति बनाने के लिए कंबल का वितरण हो रहा है हद तो तब हो गई है जब ठंड लगने के बाद गरीब कमजोर मजलूम लोगों को नेता से कम्बल मांगना पड़ेगा यदि नेता कम्बल नहीं दे रहा तो समझो वह गरीब कमजोर ठंड में परेशान नही है किस कदर से लोगों की जरूरत पर मतदान की सौदेबाजी हो रही है सिराथू क्षेत्र के ब्लॉकों में कम्बल वितरण का कार्यक्रम चल रहा पिछले दिन माननीयों की उपस्थिति में ब्लॉक में तमाम गरीब असहाय,निर्धनों को ब्लॉक में कम्बल बांटकर बेहतरीन फोटोग्राफी कराकर वाहवाही लूटी गई वहीं ग्रामीण इलाके के प्रधानों ने बताया कि साहब उन्ही को ठंड ज्यादा लगती है जिसे माननीय कम्बल देते हैं प्रधान मात्र 3 कम्बल ले जाएं ग्रामीणांचल में कम्बल बांटकर ठंड को दूर करें।

बिजली के चपेट में आने से महिला की मौत

कल्यानपुर कौशांबी। कोखराज थाना अंतर्गत बम्हरौली ग्राम सभा में विद्युत खंभे के करंट के चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है जानकारी के मुताबिक रामकली पत्नी राम अवध मंगलवार को विद्युत करंट की चपेट में आ गई है जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है जहां हालत गंभीर होने पर उसकी मौत हो गई है महिला की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

कौशांबी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वाधान में जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन 27 जनवरी से 3 फरवरी तक किया जाएगा प्रतियोगिता के आयोजन का रजिस्ट्रेशन 1 जनवरी से शुरु हो चुका है जो 26 जनवरी तक चलेगा प्रतियोगिता के परीक्षा के उपरांत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा पुरस्कार वितरण का भी कार्यक्रम रखा गया है उक्त प्रतियोगिता में कक्षा आठ और उसके ऊपर के कक्षा में पढ़ने वाले छात्र भाग ले सकते हैं उक्त जानकारी भूपेंद्र मौर्या ने दी है।

विशाल जनसभा को डिप्टी सीएम के साथ सम्बोधित करेंगे नितिन गडकरी

कौशाम्बी। चायल विधानसभा क्षेत्र के जीटी रोड सकाढा में विशाल जनसमुदाय को संबोधित करने के लिए 06 जनवरी 2022 दिन गुरुवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहेंगे नितिन गडकरी और केशव प्रसाद मौर्य के आगमन को लेकर बड़ी तैयारियां चल रही हैं भव्य पंडाल सजाए जा रहे हैं उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों नेताओं की मौजूदगी में अपार भीड़ उमड़ेगी कार्यक्रम की सफलता को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं भाजपा विधायक संजय गुप्ता के साथ-साथ सरकारी नुमाइंदे भी व्यवस्था में लगे हैं इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और केशव प्रसाद मौर्य द्वारा योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किए जाएंगे।

निमार्णाधीन पंडाल का दृश्य

घटिया क्वालिटी के नाला का निर्माण कर सरकारी खजाने को लूटने में लगे नगरपालिका के जिम्मेदार

विकास कार्यो के बहाने वर्षो से लूटा जा रहा नगरपालिका का खजाना आला अधिकारी मौन

कौशांबी मंझनपुर नगर पालिका में सरकारी खजाना लूटने का जिम्मा नगर पालिका के जिम्मेदारों ने ही ले लिया है पूरी नगर पालिका बबार्दी की दिशा की ओर बढ़ चली है लेकिन खजाना लूटने में लगे नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारियों के कारनामे पर शासन प्रशासन से लेकर अधिकारी नेता ने मौन साध रखा है जिससे सरकारी खजाना से नगर के विकास के बहाने सरकारी खजाना लूटने की मंशा रखने वाले नगरपालिका के जिम्मेदारों के कृत्य पर रोक नहीं लग रही है बार-बार खजाना लूटा जा रहा है और फर्जी तरीके से भुगतान की फाइलों की जांच कराए जाने के बजाय मामले को ठंडे बस्ते में डालने का प्रयास किया जा रहा है 8 महीने पूर्व चार करोड़ के विकास कार्यों में धांधली का तमाम कार्यों में बिना विकास कार्य कराएं रकम हड़पने वाले नगरपालिका के जिम्मेदारों की जांच अभी लंबित थी कि पौधारोपण के नाम पर खजाना लूटने का फिर आरोप लग गया और उसकी भी जांच शुरू हो गई यह जांच अभी ठंडी नहीं हुई है इसी बीच 40 करोड़ रुपए से अधिक का आनन-फानन में फिर नगर पालिका मंझनपुर ने ठेका कर चहेते ठेकेदारों को कार्य दे दिया और खजाना लूटने की बड़ी योजना बनाई नगर पालिका मंझनपुर के कस्बे के अंदर सड़क और नाला निर्माण के लिए टेंडर होते ही पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने कहा कि उनके विभाग की सड़क का निर्माण का टेण्डर कैसे नगरपालिका ने किया है पीडब्ल्यूडी की फटकार के बाद सड़क निर्माण की मंशा नगर पालिका ने छोड़ दी है लेकिन जिस सड़क का निर्माण पीडब्ल्यूडी कराएगा उस सड़क के दोनों तरफ आनन-फानन में घटिया क्वालिटी का नाला निर्माण नगरपालिका के जिम्मेदार और उनके ठेकेदार कर सरकारों खजाना लूटने में लगे है सड़क के किनारे बनाए जा रहे नाला में मानक की अनदेखी की गई है जीएसबी की गिट्टी में सीमेंट नहीं मिलाई गई है जबकि नियमानुसार जीएसबी की गिट्टी में 4 इंच आरसीसी बनाए जाने के नियम है नाला निर्माण में दोनों तरफ आरसीसी की दीवार में मोटी सरिया से जाल बनाकर दीवार खड़ी खड़ी करने का नगर पालिका ने टेण्डर दिया है लेकिन टेण्डर की शर्तों के विपरीत दो सूत की पतली सरिया दूर-दूर डालकर बिना जाल बनाए दीवार बनाई जा रही है नाला निर्माण में दीवाल और जमीनी सतह पर लोहे की छड़ का जाल नहीं बनाया गया है बेखौफ तरीके से नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है लेकिन फिर भी नगरपालिका के करोड़ों के भ्रष्टाचार पर जिम्मेदार चुप है पूरे दिन नगरपालिका का भ्रमण करने के बाद भी नगर पालिका के जिम्मेदारों को यहां धांधली दिखाई नहीं पड़ रही है जनता ने नगरपालिका की धांधली पर सवाल उठाए हैं कई सभासदों ने भी नगर पालिका की धांधली पर सवाल उठाए लेकर सत्ता शासन से लेकर जिले तक अधिकारियों के कानों में धांधली भ्रष्टाचार और सरकारी खजाना लूटने के मामले की जूं नहीं रेंगी है नगर पालिका को लूटने में लगे नगर पालिका के अधिकारी सफल होते दिख रहे हैं योगीराज में आखिर कब तक नगर पालिका के खजाने को जिम्मेदार अधिकारी लूटते रहेंगे यह योगी सरकार की व्यवस्था पर बड़ा सवाल है यदि बीते एक वर्षों में नगर पालिका मंझनपुर द्वारा कराए गए तमाम कार्यों के गुणवत्ता की जांच उच्च स्तरीय हुई तो नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी पर मुकदमा दर्ज होना इनकी गिरफ्तारी होना इनके निलंबन और बर्खास्तगी के साथ साथ और इनकी संपत्तियों की नीलामी कराकर सरकारी खजाने से लूटी गई रकम की भरपाई होने से कोई नहीं रोक सकता है।

बेखौफ लकड़ी माफिया नष्ट कर रहे हरियाली

कोखराज कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के कोखराज थाना अंतर्गत इलाके के दर्जनों गांव में लकड़ी माफिया बेखौफ है और बेखौफ तरीके से हरियाली नष्ट कर रहे हैं वन विभाग के अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं सूत्र बताते हैं कि इन लकड़ी माफियाओं से वन विभाग के अधिकारियों को एक मोटी रकम प्रत्येक महीने पहुंच रही है जिससे हरियाली नष्ट करने में विभाग के अधिकारी भी कम दोषी नहीं है थाना क्षेत्र में लगभग रोज की तरह सोमवार को फिर माफियाओं द्वारा हरे भरे वृक्षों को काटकर और ले जाते हुए देखा जा सकता है कोखराज थाना क्षेत्र के आसपास कल्याणपुर क्षेत्र से आम महुआ नीम व शीशम के हरे भरे पेड़ निरंतर काटे जा रहे हैं जिसकी खबर मीडिया द्वारा बराबर चलाए जाने के बावजूद थाने के करीब बने धर्म कांटा पर सीना तान कर माफिया सालों से प्रतिबंधित लकड़ियों को तोल करा कर थाने के सामने से फरार्टे भरते हुए रोज देखे जा सकते हैं लेकिन पुलिस और वन विभाग की निगाह इन पर नहीं पड़ती अभी कुछ ही दिन पहले गुलाब व राजेश नाम का लकड़ी माफिया पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बावजूद आज फिर कल्यानपुर इलाके से महुआ इत्यादि के प्रतिबंधित वृक्षों को काटकर कोखराज थाने के बगल मै धर्म कांटे पर तोल करा कर ले जाते हुए बेफिक्र अंदाज में देखे गए हैं जैसे इन्हें पता है कि पुलिस व वन विभाग इन पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा माफियाओं द्वारा हरे भरे वृक्ष नष्ट करने के अधिनियम के तहत अवैध कटान पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है आखिर इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा और कब इन पर अंकुश लग सकेगा जिससे पर्यावरण को नुकसान से बचाया जा सके और ऑक्सीजन देने वाले हरे भरे वृक्षों को जीवित रखा जा सके।

15 जनवरी तक जमा करें आवेदन पत्र

कौशाम्बी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (निःशुल्क एवं सक्षम विधिक सेवा) विनियम 2010 के अन्तर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कौशाम्बी के मुख्यालय पर 50, तहसील सिराथू में 25 तहसील मंझनपुर में 25 एवं तहसील चायल में 25 पराविधिक स्वयं सेवकों को नामित किया जाना है। यह जानकारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सौम्या गिरि ने देते हुए बताया कि नामित किये जाने वाले पराविधिक स्वयं सेवकों को समूहों-अध्यापक सेवा निवृत्त अध्यापक सेवा निवृत्त राज्य कर्मचारी एवं वरिष्ठ नागरिक, समाजिक विषय के अध्ययनरत परास्नातक छात्र एवं अध्यापक, ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता, चिकित्सक एवं फिजिशियन, गैर राजनैतिक संगठनों के सदस्य एवं प्रदाता संस्थाओं एवं समूहो के सदस्य, महिलाओं के प्रतिवेश पास पड़ोस समूहो एवं स्वयं सहायता समूहो के सदस्य, जेल में निरूद्ध व्यक्ति जो अधिक समय तक सजा काट चुके हो और पढे.लिखे हो, जिनकी सजा के दौरान अच्छा व्यवहार रहा हो एवं अन्य व्यक्ति जो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सेवाओं से अथवा तहसील विधिक सेवा समिति की सेवाओं से सम्बद्ध रहे हो, के व्यक्ति समूहों के सदस्य को चयनित किया जायेगा।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि पात्र व्यक्ति आवेदन पत्र दिनांक 15 जनवरी 2022 को सायं चार बजे तक कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कौशाम्बी में जमा करायें।

शौचालय सफाई के नाम पर समूह की मची लूट

शौचालय में बंद ताले का दृश्य

अखंड भारत संदेश

टेडीमोड कौशांबी। स्वच्छता अभियान के तहत बनाए गए सार्वजनिक शौचालयों की सफाई के नाम पर पूरे जिले में लूट मची है ग्राम प्रधान पंचायत सेक्रेट्री सार्वजनिक शौचालयों की सफाई के नाम पर समूह को सरकारी खजाने की रकम भेजकर हिस्सेदारी वसूल रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि समूह द्वारा शौचालय की सफाई नहीं किया जा रहा है सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति इतनी खराब है कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उसमें ताला बंद कर दिया गया है जब सार्वजनिक शौचालय का उपयोग ग्रामीण नहीं करेंगे तो भवन की सफाई कराए जाने की क्या जरूरत है लेकिन उसके बाद भी विकास भवन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक शौचालय की मरम्मत और देखरेख के नाम पर 54 हजार रुपए की रकम लगातार अवमुक्त की जा रही है ताजा मामला कड़ा विकासखंड क्षेत्र के अँधावा ग्राम पंचायत का सामने आया है जहां सार्वजनिक शौचालय के निर्माण के बाद पंचायत सेक्रेटरी ने ताला बंद कर दिया है एक भी दिन सार्वजनिक शौचालय का उपयोग ग्रामीण नहीं कर सके हैं लेकिन फिर भी 54 हजार रुपए की रकम सार्वजनिक शौचालय की साफ सफाई के नाम पर अवमुक्त किया गया है स्वयं सहायता समूह द्वारा अँधावा गांव के सार्वजनिक शौचालय में किसी प्रकार का कोई कार्य नहीं किया गया और खाते से रकम निकाल ली गई है जो बड़ी जांच का विषय है एडीओ पंचायत और खंड विकास अधिकारी की भी भूमिका इस भ्रष्टाचार में सवालों के घेरे में है ग्रामीणों ने आला अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए शौचालय मरम्मत सफाई के नाम पर चल रहे इस भ्रष्टाचार की जांच कराए जाने और दोषी पंचायत सचिवों और अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

पूंजी कंपनियों द्वारा लूटी गई संपत्ति को वापस कराना सरकार की जिम्मेदारी : कांग्रेस

अखंड भारत संदेश

कांग्रेस ने उठाई रोजवैली, सहारा एवं पल्स द्वारा ली गई रकम को वापस कराए जाने की मांग, जिले के हजारों लोगों के हजारो करोड़ों रुपए नहीं वापस किए जाने का आरोप

कौशाम्बी। जिले में में विगत काफी लम्बे समय से कई फर्जी कम्पनियां चल रही हैं। इन कम्पनियों द्वारा कई सरकारों के कार्यकाल में समय-समय पर लाखों लोगों को भारी मुनाफे का लालच देकर निवेश कराया गया, जिनमें पर्ल रोजवैली पल्स ग्रीन सहारा के नाम प्रमुख हैं। इन कम्पनियों में बड़ी संख्या में गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लोगों के पैसे फंसे हुए हैं। जिन्होंने अपने बच्चों की पढ़ाई, शादी आदि के लिए अपना पेट काटकर यह धनराशि इन कम्पनियों में जमा की थी। इन कम्पनी के फजीर्वाड़े की चपेट में प्रदेश के लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। इनके पैसे यह कंपनियां वापस नहीं कर रही हैं जो कि सीधे-साधे लोग के साथ धोखाधड़ी है। मामले में लोगों ने शिकायत भी न्यायालय और सरकार से किया लेकिन इन मामलों में सरकार के गंभीरता पूर्वक कार्रवाई नहीं करने के चलते अभी तक लोगों का पैसा वापस नहीं हो पाया। लोगों का वह पैसा वापस कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उक्त बातें पार्टी के जिला अध्यक्ष अरुण विद्यार्थी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहीं। इस मौके पर उन्होंने कहां की सरकार की जिम्मेदारी है कि वह ठगी हुए इन लोगों के हितों की रक्षा के लिए इन कंपनियों के जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लोगों का पैसा वापस कराएं। इस मौके पर बोलते हुए पार्टी नेता वेद प्रकाश पाण्डेय सत्यार्थी ने कहा कि आज भी प्रदेश में इस प्रकार की अनेक कम्पनियां चल रही है। जो आये दिन प्रदेश के भोले-भाले लोगों की जेबों पर खुलेआम डाका डालकर फल-फूल रहे हैं। परन्तु सबका साथ-सबका विकास वाली भाजपा सरकार द्वारा इस पर अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। यहॉ तक कि प्रदेश सरकार के पास इस फजीर्वाडे में उत्तर प्रदेश के कितने लोगों के पैंसे फंसे हुए है इसकी कोई सूची तक उपलब्ध नहीं है। इस मौके पर बोलते हुए पार्टी के जिला महासचिव मिसबाहउल ऐन ने कहा कि इसी तरीके जनपद में रोज वैली नामक कंपनी के जरिए अवैधानिक तरीके से जनपद के लगभग 15 हजार लोगों का करोड़ों रुपए ले लिया गया है। जिसे अभी तक वापस नहीं किया गया कई शिकायतें भी प्रशासनिक अधिकारियों से किया गया लेकिन अभी इन पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई। इन निवेशकों में से बड़ी संख्या में कौशांबी जनपद के हैं, जिन्होंने बेहतर रिटर्न प्राप्त करने के लिए इन कंपनियों और सरकार पर भरोसा कर अपना पैसा दिया था लेकिन हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और सेबी के दखल के बाद भी अभी तक लोगों के हाथ खाली हैं।

ऐसे में कांग्रेस कौशांबी सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों से मांग करती है कि वह जिले के निवेशकों का पैसा वापस कराने के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हुए ऐसे फजीर्वाड़ा कर लोगों का पैसा लूटने वाले लोगों के खिलाफ उद्देश्य पूर्ण तरीके से कानूनी कार्रवाई करें। इस मौके पर प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष के साथ रजनीश पांडे, आशीष मिश्रा पप्पू, तमजीद अहमद, भारत गौतम, इजहार अब्बास, जितेंद्र शर्मा, अनिल पांडे, मोहम्मद गुलाम, मोहम्मद आवेश सहित दर्जनों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

विधायक ने नवनिर्मित ऑगनबाड़ी केन्द्र जाठी का किया लोकार्पण

ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों की शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने एवं आमजन तक पहुँचाने में महती भूमिका : विधायक शीतला प्रसाद

कौशाम्बी। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में आगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका सम्मेलन तथा 754 ऑगनबाड़ी केन्द्रां का लोकार्पण शिलान्यास का सजीव प्रसारण सम्राट उदयन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में किया गया तथा ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने मुख्यमंत्री के सम्बोधन को सुना। इस अवसर पर विधायक लाल बहादुर द्वारा आईसीडीएस मनरेगा व पंचायतीराज योजनान्तर्गत नव निर्मित ऑगनबाड़ी केन्द्र जाठी का लोकार्पण किया गया।

विधायक सिराथू शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल ने ऑगनबाड़ी कार्यक्रत्रियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने एवं आमजन तक पहुॅचाने का कार्य करती हैं एवं कोविड के दौरान निगरानी समिति तथा टीकाकरण में आप सब की महती भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि पोलियो एवं कुपोषण को मुक्त करने में भी आप लोंगो ने सराहनीय कार्य किया। आज मुख्यमंत्री द्वारा आप लोगों का मानदेय बढ़ाने का सराहनीय निर्णय लिया गया है। विधायक लाल बहादुर ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा एवं स्वावलम्बन के लिए अनेक कार्य योजनायें संचालित की गयी है मुख्यमंत्री द्वारा आज आप लोगों का मानदेय बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश एवं जनपद में सड़क, पुल, ओवरब्रिज, बिजली एवं आवास सहित आदि क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास हुआ है। प्रदेश सरकार द्वारा वृद्धावस्था, विधवा व दिव्यांग पेंशन में वृद्धि की गयी है। उन्होंने कहा कि जनपद में विकास के ऐतिहासिक कार्य-सड़क, पुल एवं फ्लाई ओवर आदि हुए हैं। उन्होंने ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों से सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने की अपेक्षा की ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में 1.50 करोड़ कामगारों को भरण-पोषण भत्ताहितलाभ की धनराशि का ऑनलाइन हस्तान्तरण किया गया, जिसका भी सजीव प्रसारण सम्राट उदयन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में किया गया तथा उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना इस अवसर पर अध्यक्षा जिला पंचायत श्रीमती कल्पना सोनकर, ब्लॉक प्रमुख मंझनपुर श्रीमती सरला राय जिलाधिकारी सुजीत कुमार जिला विकास अधिकारी विजय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश गुप्ता एवं सहायक श्रमायुक्त श्रीमती शक्ति राय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सम्पादकीय

श्रद्धालुओं की सुरक्षा का एजेंडा

महामारी, मौतों का मातम और महंगाई की मार से रुलाता हुआ साल 2021 बीता, तो इस पर बहुत से लोगों ने खुशियां मनाईं कि बुरे वक्त लाने वाला यह साल बीत गया। नए साल 2022 का जोर-शोर से स्वागत किया गया, इस उम्मीद के साथ कि अब दुखों और तकलीफों का करुण रुदन कम सुनाई दे। हालांकि कोरोना की तीसरी लहर की चेतावनी मिलने लगी है। ओमिक्रान वैरिएंट अपना असर दिखा रहा है। कई राज्यों में प्रतिबंधों का दौर लौट आया है। लोग फिर डरे-सहमे दिखाई दे रहे हैं। इस बीच साल के पहले दिन जम्मू-कश्मीर से बुरी खबर सामने आई। वैष्णो देवी मंदिर परिसर में शनिवार को अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हैं। मृतकों में बहुत से लोग दिल्ली और उत्तरप्रदेश के हैं। नए साल के मौके पर माता का आशीर्वाद लेने आए लोगों को दुर्घटना का भयावह झटका मिला है। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोए लोग किस तरह पूरा साल बिताएंगे, ये सोचकर ही दुख होता है। हालांकि ये पता नहीं कि प्रशासन, सरकार कभी इस दुख को महसूस कर पाता है या नहीं। क्योंकि इस हादसे के बाद भी मुआवजे का ऐलान हो गया है। ट्विटर पर तमाम राजनेताओं ने दुख और संवेदना प्रकट की है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जांच के आदेश दिए हैं। लेकिन ये जांच कब पूरी होगी, कितनी निष्पक्ष होगी, क्या इसमें दोषियों की शिनाख्त हो पाएगी और उन्हें क्या सजा मिलेगी, ये सारे सवाल फिलहाल भविष्य के गर्भ में है। बताया जा रहा है कि 31 दिसम्बर की रात श्रद्धालुओं की भारी भीड़ वैष्णो देवी पहुंच गई थी, और भगदड़ का एक कारण यह भी सकता है। दरअसल किसान आंदोलन के कारण आठ दिन तक जम्मू और कटड़ा आने वाली ट्रेनें बंद थी। और जब ट्रेनें शुरू हुईं तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने पहुंच गए।

बीते सालों में 31 दिसंबर को लगभग 50 हजार तक यात्री ही वैष्णो देवी पहुंचते हैं। इस बार इनकी संख्या इससे कई गुना बढ़ गई। लेकिन श्राइन बोर्ड की इस हादसे पर पेश की गई सफाई में कहा गया है कि तीर्थ क्षेत्र में भगदड़ तीर्थयात्रियों के दो समूहों के बीच झगड़े के कारण हुई। बोर्ड ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि महामारी के मद्देनजर 50 हजार की क्षमता के मुकाबले केवल 35,000 श्रद्धालुओं को यात्रा की अनुमति दी गई थी। बोर्ड ने इस दुखद घटना पर एक विस्तृत बयान में कहा, राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने प्रतिदिन यात्रा की सामान्य क्षमता को 50,000 तक सीमित कर दिया है। कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए, 35000 तीर्थयात्रियों को 31 दिसंबर 2021 और एक जनवरी 2022 को यात्रा के लिए अनुमति दी गई थी। श्राइन बोर्ड के बयान से तो यही लगता है कि श्रद्धालुओं की संख्या सीमित थी, लेकिन इस सच से फिर भी आंखें नहीं मूंदी जा सकती कि सीमित संख्या को भी ठीक से संभाला नहीं जा सका। बताया जा रहा है कि भगदड़ के बाद श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, जिला प्रशासन, पुलिस और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त दल ने तुरंत राहत अभियान चलाया और पांच मिनट में स्थिति पर काबू पा लिया गया। अगर ये स्थिति लंबी खिंचती तो आपदा और बड़ी हो सकती थी। वैसे सवाल ये है कि अगर दो समूहों में आधी रात को झगड़ा हुआ भी तो वहां क्या मंदिर प्रशासन के लोग स्थिति संभालने के लिए मौजूद नहीं थे। वैष्णो देवी कोई गली-चौराहे का मंदिर तो है नहीं, जहां किसी नियम-कायदे की उम्मीद नहीं की जा सकती। जिस मंदिर में रोजाना हजारों श्रद्धालु पहुंचते हों, वहां कदम-कदम पर व्यवस्था चाक-चौबंद होनी चाहिए। खबर है कि 31 दिसंबर और 1 जनवरी की दरम्यानी रात हुए हादसे के अगले दिन फिर दोपहर तक यात्रा शुरू हुई और करीब 27 हजार श्रद्धालु यहां पहुंचे। इस दौरान यात्रा पर्ची काउंटर पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें नजर आईं। इस भीड़ में कोरोना गाइडलाइन्स के तहत दो गज की दूरी वाले नियम की भी धज्जियां उड़ीं। वैसे 1954 में कुंभ मेले में हुई भगदड़ से लेकर देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर तक धार्मिक स्थलों पर ऐसे हादसों की एक लंबी सूची भारत में है। इन तमाम घटनाओं में प्रशासनिक लापरवाही ही अधिकतर बार मासूम श्रद्धालुओं की अकाल मौत का कारण बनी है। समय के साथ तकनीकी विकास हुए हैं और इससे व्यवस्था को दुरुस्त करने में मदद मिलती है। लेकिन फिर भी ऐसी दुर्घटनाएं होती हैं तो सवाल उठते हैं कि जो धार्मिक स्थल हर दिन श्रद्धालुओं से लाखों रुपयों की कमाई करते हैं। वो उनसे इंसानों की तरह सम्मान के साथ व्यवहार क्यों नहीं करते। देश के तमाम बड़े मंदिरों में भगवान के दर्शन के लिए लंबी कतारें लगती हैं, पर्ची कटाने से लेकर सुरक्षा जांच से होते हुए गर्भगृह तक पहुंचने में घंटों का वक्त लगता है, लेकिन बमुश्किल कुछ सेकंड के दर्शन के बाद ही श्रद्धालुओं को मूर्ति के सामने से धक्का देकर हटा दिया जाता है। भक्त इस व्यवहार को भी बर्दाश्त करते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि उनके पीछे उनकी तरह ही और दर्शनार्थी खड़े हैं। जब भक्त सारे कष्ट उठाने तैयार रहते हैं तो ऐसे में मंदिर प्रशासन, प्रबंधन की भी जिम्मेदारी है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए। देश में मंदिर पर राजनीति खूब हुई है, इस राजनीति का प्रसाद भी सत्तारुढ़ भाजपा को मिला है। अभी भी भाजपा के एजेंडे में आसमान छूता भव्य राम मंदिर बनाना है। काशी विश्वनाथ कारिडोर तो बन ही चुका है। लेकिन मंदिर बनाने के एजेंडे के साथ यात्रियों की सुरक्षा का क्या एजेंडा है, यह भी सरकार को बताना चाहिए।

कोरोना के खतरे से फिर बढ़ेगा रोजगार का संकट

बीना बिष्ट

कोरोना के नए खतरे को रोकने के लिए सरकार हर स्तर पर अपना कार्य कर रही है। लेकिन इसके साथ ही साथ हम सबका भी दायित्व बनता है कि इस महामारी को फिर से विपदा बनने से रोकें। सरकार द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करके ही कोरोना की रोकथाम संभव है। यदि पर्वतीय क्षेत्रों के दो भयावक विषय रोजगार और स्वास्थ्य पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो निश्चित रूप से कोरोना की पुनः मार पड़ सकती है और राज्य में एक बार फिर से रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है। देश में कोरोना के नए रूप ओमीक्रॉन के बढ़ते आंकड़ों ने फिर से सभी के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। इस नए स्वरूप के खतरे को रोकने के लिए केंद्र से लेकर सभी राज्य सरकारों ने एहतियाती कदम उठाना शुरू कर दिया है। एक जगह इकठ्ठा होकर नए साल के जश्न मनाने पर पाबंदी लगा दी गई है, वहीं शादी-ब्याह और अन्य समारोह पर भी लोगों की संख्या को सीमित कर दिया गया है। कुछ राज्यों ने नाईट कर्फ्यू भी लगाना शुरू कर दिया है। दरअसल दूसरी लहर की त्रासदी ने सभी को एक सबक सिखाया है, जिसके बाद से कोई भी सरकार खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। हालांकि अफसोसनाक पहलू यह है कि सरकार के तमाम प्रयासों पर स्वयं जनता ही पानी फेरने पर आमादा नजर आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों से कहीं अधिक देश के महानगरों के बाजारों में बढ़ती भीड़ एक बार फिर से महामारी को आमंत्रण दे रही है।

लोग सरकार की गाइड लाइन की धज्जियां उड़ाकर सड़कों और बाजारों में उमड़ रहे हैं। दरअसल पिछली दो लहरों के कारण लगाए गए लॉकडाउन ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया है। इसका सबसे बुरा प्रभाव रोजगार पर पड़ा है। हजारों लोगों की नौकरियां जा चुकी है। सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में देखने को देखने को मिला। जहां दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में कमाने गए राज्य के लोगों की नौकरियां खतरे में पड़ चुकी हैं। यही कारण है कि एक बार फिर से बढ़ते आंकड़ों ने लोगों के सामने रोजगार का संकट खड़ा कर दिया है। वर्ष 2020 में जब से विश्व ने कोरोना काल में प्रवेश किया तो हर किसी ने कुछ न कुछ खोया है। हर चेहरे पर उदासी, आंसू और मौत का एक खौफ देखने को मिला है। इस दौर में सबसे अधिक नुकसान पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को उठाना पड़ा है। जिन्हें अपने लोगों को खोने के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी भारी क्षति उठानी पड़ी थी। बेहतर भविष्य और पैसे कमाने की खातिर राज्य से पलायन कर चुके लोगों को कोरोना ने पुनः उन्हें गांव की ओर लौटने के लिए मजबूर कर दिया था। जो उस समय जान हानि की दृष्टि से बहुत उचित प्रतीत था, परन्तु इस प्रवास से जहां राज्य में कोरोना मामलों में इतनी बढ़ोतरी हुई कि मौत के आंकड़े ने हजार की संख्या को पार कर लिया वहीं प्रवासियों के आजीविका का खतरा भी बहुत अधिक बढ़ गया। हालांकि प्रवासियों ने वापस आकर समय के साथ समझौता कर कृषि को अपनी आजीविका का साधन बनाया।

धीर-धीरे पर्वतीय समुदाय के लोगों का जीवन मुख्यधारा की ओर लौटने भी लगा था कि अक्टूबर माह में आई प्राकृतिक आपदा ने एक बार फिर से इस क्षेत्र को आर्थिक रूप से जबरदस्त नुकसान पहुंचाया और तकरीबन 4-5 वर्ष पीछे धकेल दिया और अब फिर से कोरोना के बढ़ते मामलों ने स्थानीय निवासियों की चिन्ता को बढ़ा दिया है। लॉकडाउन के भय से लोगों पुनः परेशान होने लगे हैं। लोगों की आशंका है कि यदि एक बार फिर से लॉकडाउन लगता है तो राज्य को आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ेगा। लोगों के पास आजीविका और रोजगार का संकट भयानक रूप ले लेगा और कही ऐसी स्थिति न हो जाए कि भुखमरी से मौत का ग्राफ कोरोना से कहीं अधिक विकराल रूप धारण कर ले। इस संबंध में अपनी चिंता जाहिर करते हुए नैनीताल की रहने वाली धना देवी बताती हैं कि वह मोजे, ग्लब्ज और टोपी बुनकर इन्हें शाम को स्थानीय मालरोड फड़ में बेचकर रुपए 200 प्रतिदिन कमा लेती हैं। जिससे इनके परिवार का गुजारा चलता है। लेकिन पुनः लॉकडाउन लगता है तो उनकी कमर ही टूट जाएगी। वह बताती हैं कि इससे पूर्व के लॉकडाउन ने भी उनके परिवार को झकझोर दिया था। इसी फड़ से परिवार का लालन पालन का कार्य चलता है। परिवार में अन्य सदस्य बहुत ही कम पैसों पर प्राइवेट नौकरी करने पर मजबूर हैं। वह कहती है यदि यही बंद हो जायेगा तो वह अपने परिवार का लालन पालन कैसे करेगी कोरोना के नियमों के पालन पर जोर देते हुए उन्होने सरकार व सभी लोगों से अपील की कि यदि हम सभी कोरोना गाइडलाइन का पालन का दैनिक कार्यों को करें तो लॉक डाउन की समस्या का हल आसानी से निकाला जा सकता है। धना देवी कहती हैं कि वह स्वयं रोजगार के साथ-साथ अन्य लोगों को भी मास्क और सेनेटाइजर के लिए जागरूक करती रहती हैं। इस संबंध में सुन्दरखाल के ग्राम प्रधान पूरन सिंह बिष्ट बताते हैं कि कोरोना की इस लहर से पहले ही उनके ग्राम के प्रत्येक व्यक्ति को कोरोना के दोनों टीके लगा दिये गये हैं। साथ ही ग्राम में बैठकों शिविरों के माध्यम से ग्रामवासियों को इसके रोकथाम व खतरे से अवगत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि लॉकडाउन के कारण प्रवासी एक बार फिर से गांव लौटते हैं तो उनके क्वारंटाइन के लिए पिछले वर्ष से अच्छी व्यवस्था की गई है साथ ही उनके रोजगार के लिए ग्राम स्तर पर ही लघु उद्योग स्थापित किये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त खेती, बागवानी के साथ उन्हें जोड़कर रोजगार के इंतजाम मुहैय्या कराये जायेंगे। यदि लॉकडाउन लगा तो ग्रामवासियों द्वारा आपस में स्वयं एवं प्रवासियों हेतु राशन की पूर्ण व्यवस्था के इंतजाम किये गये हैं। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा वर्तमान परिस्थितियों में अधिक से अधिक सहायता मिले, इसके प्रयास किये जा रहे हैं। वहीं भीमताल के मुख्य विकास अधिकारी कमल मेहरा के अनुसार, कोरोना के बढ़ रहे प्रभाव को देखते हुए सभी को सचेत रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि दोबारा लॉकडाउन लगाने की स्थिति आती है तो युवाओं के रोजगार का संकट अचानक होगा। रोजगारविहीन पर आर्थिक चुनौती के साथ-साथ मानसिक चुनौती का प्रहार भी देखने को मिलेगा। इसी चुनौती से निपटने के लिए सरकार द्वारा रोजगार नीतियों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। सरकार द्वारा संसाधन आधारित रोजगार, लघु उद्योग और स्थानीय उत्पादों द्वारा आजीविका संवर्धन पर रूपरेखा बनाई जा रही है जो लॉकडाउन पर समुदाय व प्रवासियों के लिए रोजगार का सरल साधन बन सकता है। बहरहाल, कोरोना के नए खतरे को रोकने के लिए सरकार हर स्तर पर अपना कार्य कर रही है। लेकिन इसके साथ ही साथ हम सबका भी दायित्व बनता है कि इस महामारी को फिर से विपदा बनने से रोकें। सरकार द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करके ही कोरोना की रोकथाम संभव है। यदि पर्वतीय क्षेत्रों के दो भयावक विषय रोजगार और स्वास्थ्य पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो निश्चित रूप से कोरोना की पुनः मार पड़ सकती है और राज्य में एक बार फिर से रोड्डागार का संकट खड़ा हो सकता है।

योगी के चुनाव लड़ने के लिए संघ परिवार ने ऐसी सीट चुनी है जो वर्षों तक बड़ा राजनीतिक लाभ देगी

नीरज कुमार दुबे

अब जब यह तय हो चुका है कि योगी आदित्यनाथ चुनाव लड़ेंगे तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि वह सीट कौन-सी होगी। योगी आदित्यनाथ गोरखपुर लोकसभा सीट से चार बार सांसद रह चुके हैं और वर्तमान में गोरखपुर की एक विधानसभा सीट छोड़कर बाकी पर भाजपा का ही कब्जा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह तो स्पष्ट कर दिया है कि वह विधानसभा चुनाव लड़ेंगे लेकिन अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि वह प्रदेश की कौन-सी सीट से चुनाव लड़ेंगे। हाल ही में उनसे पूछा गया था कि क्या वह चुनाव लड़ेंगे तो इस प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा था कि मेरे चुनाव लड़ने पर कोई संशय नहीं है। लेकिन मैं चुनाव कहां से लडूंगा इस बात का फैसला पार्टी नेतृत्व करेगा। यह पूछे जाने पर कि वह अयोध्या से चुनाव लड़ेंगे या मथुरा से या गोरखपुर से, तो उन्होंने कहा था कि पार्टी जहां से कहेगी, मैं वहां से चुनाव लडूंगा। हम आपको बता दें कि मुख्यमंत्री योगी इस समय उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य हैं। उनसे पहले मुख्यमंत्री रहे अखिलेश यादव भी विधान परिषद के ही सदस्य थे। अखिलेश यादव से पहले मुख्यमंत्री रहीं मायावती भी विधान परिषद की ही सदस्य थीं। यानि 15 साल बाद उत्तर प्रदेश का कोई मुख्यमंत्री विधानसभा का चुनाव लड़ने जा रहा है। अब जब यह तय हो चुका है कि योगी आदित्यनाथ चुनाव लड़ेंगे तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि वह सीट कौन-सी होगी। योगी आदित्यनाथ गोरखपुर लोकसभा सीट से चार बार सांसद रह चुके हैं और वर्तमान में गोरखपुर की एक विधानसभा सीट छोड़कर बाकी पर भाजपा का ही कब्जा है। योगी आदित्यनाथ का गोरखपुर में जो प्रभाव है उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि वह यहां की जिस भी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे उनके लिए जीत बड़ी आसान रहेगी लेकिन सवाल यह है कि क्या सबसे आसान सीट से योगी चुनाव लड़ेंगे सवाल यह भी है कि क्या सबसे आसान सीट से चुनाव लड़कर योगी कोई बड़ा संदेश दे सकेंगे इसीलिए माना जा रहा है कि योगी गोरखपुर से चुनाव नहीं लड़ेंगे।

तो क्या ऐसे में योगी की नजर अयोध्या विधानसभा सीट पर है इस सवाल का जवाब खोजें उससे पहले यह जान लें कि अयोध्या की लोकसभा समेत सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा है। यहां श्रीरामजन्मभूमि पर राममंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। अयोध्या में विकास के जितने कार्य चल रहे हैं और उन कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए योगी जिस प्रकार नियमित यहाँ आते रहते हैं उसको देखते हुए अटकलें हैं कि वह यहां से चुनाव लड़ सकते हैं। वैसे भी अयोध्या साधु-संतों की ही नगरी है। योगी खुद भी संत हैं। योगी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद अयोध्या में रामायण मेले और दीपोत्सव को जो विराट स्वरूप प्रदान किया है उससे यहां उनकी लोकप्रियता भी बहुत है। ऐसे में अयोध्या से चुनाव लड़ने पर योगी आदित्यनाथ को शानदार जीत मिल सकती है। लेकिन संघ परिवार की योजना अयोध्या मुद्दे का राजनीतिक लाभ अभी नहीं बल्कि 2024 के लोकसभा चुनावों में लेने की है। माना जा रहा है कि साल 2023 के अंत तक राममंदिर निर्माण कार्य पूरा हो जायेगा और 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा अपने पूरे हुए चुनावी वादों की सूची में राममंदिर को भी रखेगी इसलिए इस बात की उम्मीद कम ही है कि योगी आदित्यनाथ अयोध्या से विधानसभा का चुनाव लड़ें।

योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री रहते काशी के विकास और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के प्रति भी गहन रुचि लेते रहे और यह उनकी अथक मेहनत का भी नतीजा है कि काशी का स्वरूप एकदम बदल गया है और वहां विकास कार्य तेज गति से चल रहे हैं। ऐसे में अटकलें इस बात की भी शुरू हुईं कि योगी आदित्यनाथ वाराणसी की किसी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। देखा जाये तो वाराणसी संसदीय सीट के साथ ही यहां की सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा का ही कब्जा है। यहां से यदि योगी चुनाव लड़ते हैं तो बड़ी जीत मिलना तय है लेकिन चूँकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी से खुद सांसद हैं इसलिए भाजपा एक ही क्षेत्र में दो पावर सेंटर बनाने से बचना चाहेगी। इसलिए योगी बनारस से शायद ही चुनाव लड़ें। योगी आदित्यनाथ मथुरा के विकास को लेकर भी काफी सक्रिय रहे हैं और यहां उन्होंने लगातार दौरे भी किये हैं। उनके कार्यकाल में मथुरा को विकास की कई परियोजनाएं भी मिली हैं। मथुरा संसदीय सीट भाजपा के पास है और यहां की एक विधानसभा सीट को छोड़कर बाकी पर भाजपा का ही कब्जा है। भाजपा नेता जिस तरह लगातार अपने भाषणों में मथुरा का जिक्र कर रहे हैं उससे लगता है कि संघ परिवार कम से कम अगले पांच से दस सालों तक इस मुद्दे के जरिये राजनीति को गमार्ये रखना चाहता है। यदि योगी आदित्यनाथ मथुरा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ते हैं तो श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़ा मुद्दा तूल पकड़ेगा और जिस तरह अयोध्या और काशी से जुड़े मुद्दों ने भाजपा को राजनीतिक लाभ पहुँचाया उसी तरह का लाभ मथुरा से भी पार्टी को मिल सकता है। योगी को मथुरा से चुनाव लड़ाने की संभावनाएं इसलिए भी बलवती नजर आ रही हैं क्योंकि मथुरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आता है। हाल में चले किसान आंदोलन के कारण भाजपा के लिए सबसे ज्यादा मुश्किलें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ही खड़ी हुई थीं। इसके अलावा जाटों की भी नाराजगी सामने आई थी। यदि योगी आदित्यनाथ जाट बहुल पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मथुरा सीट से चुनाव लड़ते हैं तो पूरे क्षेत्र में इसका प्रभाव पड़ेगा। जो जाट आरएलडी और सपा के गठबंधन के चलते उनके साथ खड़े नजर आ रहे हैं वह भाजपा की तरफ भी आ सकते हैं। यही नहीं, योगी को मथुरा से चुनाव लड़ाने की भूमिका बनाने की शुरूआत भी कर दी गयी है। भाजपा के राज्यसभा सांसद हरनाथ यादव ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मथुरा विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारने का अनुरोध किया है। हरनाथ यादव ने अपने पत्र में लिखा है कि वैसे तो प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की इच्छा होगी कि योगी आदित्यनाथ उनकी विधानसभा सीट से ही चुनाव लड़ें लेकिन मैं बहुत विनम्र शब्दों में निवेदन करता हूं कि ब्रज क्षेत्र की जनता की विशेष इच्छा है कि योगी भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा से चुनाव लड़ें ह्ह्ह भाजपा सांसद हरनाथ यादव ने अपने पत्र में लिखा है कि ह्यह्यस्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने मुझे यह पत्र लिखने के लिए प्रेरित किया है। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि ब्रज क्षेत्र की जनता की भावनाओं का ख्याल रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संपूर्ण कलाधारी भगवान श्रीकृष्ण की नगरी से प्रत्याशी घोषित करने पर विचार करें। बहरहाल, हम आपको बता दें कि फिलहाल उत्तर प्रदेश सरकार में ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा मथुरा से विधायक हैं। मथुरा मुद्दे को सबसे पहले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उठाते हुए कहा था कि अयोध्या और काशी में भव्य मंदिर निर्माण जारी है और मथुरा में मंदिर निर्माण की तैयारी की जा रही है। इसके बाद खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मुद्दे को उठाते हुए आगे के संकेत दे दिये थे। उन्होंने कहा था कि अयोध्या और काशी में जब भव्य धाम बन रहे हैं तो ऐसे में मथुरा वृंदावन कैसे छूट जाएगा।

एक खेल फिल्म में आरक्षण के विरोध का क्या मतलब

शकील अख्तर

आरक्षण या दलित, पिछड़ों पर भाजपा और संघ के विचार किसी से छुपे नहीं हैं। मगर दूसरी पार्टियों में भी ऐसे नेताओं की भरमार है जो आरक्षण के विरोधी हैं। ऐसे नेता हर पार्टी में है। वामपंथी पार्टियों में भी। सामाजिक मुद्दों पर ये लोग सब कैसे एक होते हैं। इसको 1989 -90 में मंडल कमीशन की सिफारिशों के दौरान देखा गया। राजनीति कितनी कम विचारों से संचालित होती है और जाति, समुदाय के हित किस तरह सबसे प्रमुख हो जाते हैं। 83एक मजेदार फिल्म है। जिसे आजकल की भाषा में कहते हैं- मस्त। 1983 भारत के पहली बार क्रिकेट में विश्व विजेता बनने पर बनी फिल्म। तब टीवी बहुत कम हुआ करते थे। फिल्म में यह बताया भी गया है कि उस समय की प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी किस तरह जगह-जगह टीवी लगाने की बात कर रही हैं। उसी समय दिल्ली, मुंबई महानगरों के बाहर नए -नए ट्रांसमिशन केन्द्र बनाए गए थे। तो उससे पहले के क्रिकेट की तरह उस वर्ल्ड कप की कामेन्ट्री भी रेडियो पर सुनी गई थी। फाइनल के जीतने के रोमांच का अनुभव भी कल्पना के सहारे रेडियो पर महसूस किया गया था। रेडियो पर मैच खत्म होने के बाद अखबार का इंतजार शुरू हो जाता था। और अखबार में उस खबर को पढ़कर, फोटो देखकर फिर क्रिकेट का सुरूर चढ़ जाता था। भारत के वर्ल्ड कप जीतने के बाद उसका वीडियो आया था। तब नए-नए वीडियो पार्लर बने थे। नाम पार्लर होता था मगर होते टपरा ही थे। कहीं टिन और तम्बुओं से बने हुए तो कहीं किसी बड़े हाल में। वहां इस फाइनल की वीडियो चलती थी। लोग कई-कई बार देखते थे। इस समय भारत का जीतना एक बड़े गौरव की बात हो गई थी। देश भर में क्रिकेट की एक नई लहर पैदा हो गई थी। ऐसा नहीं था कि क्रिकेट इससे पहले नहीं था। क्रिकेट तो भारत में हमेशा से सबसे फेवरेट खेल रहा है। जितना खेलने में उससे ज्यादा कामेन्ट्री सुने जाने में। जब भारत का मैच होता था रेडियो पर भारी भीड़ लगी रहती थी। बाजार में पान की दुकान पर रेडियो पर कामेन्ट्री चलती थी। और लोग सड़क घेर कर कल्पना के सहारे एक-एक बाल और शॉट पर डिस्कस करते रहते थे। हम लोग जो क्रिकेट खेलते थे। ग्राउन्ड में नक्शा बनाकर हाथ में डंडी लेकर बताते रहते थे कि यह मिड आन है श्रीकान्त ने यहां बाल मारी। ये कवर ड्राइव गावस्कर खेलता है। बहुत खूबसूरत शाट होता है। देखो आफ पर यहां से निकाली है। आधे स्टार हम लोग हुआ करते थे। क्रिकेट की विशेषज्ञता उन दिनों बड़ी चीज हुआ करती थी। आज तो बच्चा-बच्चा इतना क्रिकेट जानता है, खेलता भी है कि वही उल्टा ज्ञान देता जाता है। आप अगर गलती से इतिहास में चले गए तो गूगल खोलकर याददाश्त के आधार पर आपकी बताई कहानियों में दस जगह गलती बता देगा। करेक्शन कर देगा। अब कहानीबाजों की दाल नहीं गलती। कभी क्रिकेट पर या दूसरे खेलों पर भी हम लोग अपने फादर की बात ऐसे सुनते थे जैसे ये अंतिम शब्द हों। इनके अलावा इस पर कुछ नहीं हो सकता। मगर आजकल अगर उस दौर की बहादुरी दिखाने के लिए बताओ कि गावस्कर दुनिया के आल टाइम सबसे तेज बालरों के खिलाफ ओपनिंग में हेलमेट नहीं लगाता था तो बच्चे फौरन कहेंगे कि कोच जाने कैसे देते थे हमसे तो हर बार गार्ड पूछते हैं लगाया कि नहीं। कभी-कभी तो टटोल भी लेते हैं! वह दौर ही अलग था। क्रिकेट जिन्दगी का हिस्सा होता था। जब टीम विदेश जाती थी और सुबह चार बजे से मैच शुरू होते थे। तो पहली बाल से मैच लगाकर लिहाफ में घुसकर सुना जाता था। कोई-कोई दोस्त भी मोहल्ले का आ जाता था। आज लड़के फुटबाल के दीवाने हैं। उसके सारे अन्तरराट्रीय मैच देखते हैं। और फिर ग्राउन्ड में जाकर उन्हीं की तरह फास्ट खेलते हैं। तेज गति से भिड़ते हैं। स्पोर्ट्स इन्जरी सेन्टर (सफदरजंग, दिल्ली) में मार लड़के घुटने और टखनों की चोट लिए बैठे मिलते हैं। हमारे समय में कैरी (जिसे आज फुटबाल में भी ड्रिब्लिंग कहने लगे। पहले खुद बाल लेकर विपक्षी खिलाड़ियों को डाज देते हुए बढ़ने को हाकी में ड्रिब्लिंग और फुटबाल में कैरी करना कहते थे) सबसे बड़ी कलाकारी मानी जाती थी। उन दिनों टीवी नहीं थे। तो फास्ट उतना ही होते थे, जितना भारतीय परिस्थितियों में हुआ जा सकता है तो इन्जरी भी कम होती थीं। तो उस दौर की पुरानी यादें 83 देखकर फिर ताजा हो गईं। कपिल बिल्कुल कपिल जैसा लगता है। हम तो बहुत अरसे बाद फिल्म देखने गए। रणवीर सिंह बिल्कुल वैसा का वैसा ही कपिल लगा। श्रीकान्त भी वैसा ही चुहलबाज। इन सबसे मिले हैं तो फिल्म में बिल्कुल वैसे ही देखकर मजा आ गया। मगर एक डायलाग सुनकर अचानक चौंक गए। सेंसर ने कैसे पास कर दिया क्या जानबूझ कर या माहौल ऐसा हो गया है कि इन बातों पर कोई ध्यान नहीं देता! यह बातें सामान्य हो गईं। श्रीकान्त के मुंह से कहलाया गया कि कोटा सोटा से नहीं आए हम! बहुत ही आपत्तिजनक डायलाग है। आरक्षण संवैधानिक व्यवस्था है। जिनके साथ सदियों से अत्याचार हुआ, पीछे रखा गया उन्हें आगे बढ़ने का मौका देने के लिए। उस पर पहले भी निशाना लगाया जाता था। मगर थोड़ा संभलकर, लिहाज करके। आज तो खुलेआम आरक्षण विरोधी सम्मेलन हो रहे हैं। लिखा जा रहा है। इसके बहाने दलितों और पिछड़ों पर निशाना लगाया जा रहा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 2015 के विधानसभा चुनाव के समय आरक्षण पर विचार करने की बात कहकर एक टोह भी लेने की कोशिश की थी कि क्या प्रतिक्रिया होती है। प्रतिक्रिया भयानक हुई। भाजपा के खिलाफ हुई और वह चुनाव हार गई। उसके बाद से भाजपा और संघ इस मुद्दे पर फिर अपने पुराने तरीके पर आ गए। जिसमें सवर्णों के बीच आरक्षण खत्म करने की बात और दलितों, पिछड़ों के बीच हिन्दुत्व को बढ़ाना और आरक्षण पर खामोश रहने की नीति।

आरक्षण या दलित, पिछड़ों पर भाजपा और संघ के विचार किसी से छुपे नहीं हैं। मगर दूसरी पार्टियों में भी ऐसे नेताओं की भरमार है जो आरक्षण के विरोधी हैं। ऐसे नेता हर पार्टी में है। वामपंथी पार्टियों में भी। सामाजिक मुद्दों पर ये लोग सब कैसे एक होते हैं। इसको 1989 -90 में मंडल कमीशन की सिफारिशों के दौरान देखा गया। राजनीति कितनी कम विचारों से संचालित होती है और जाति, समुदाय के हित किस तरह सबसे प्रमुख हो जाते हैं। यह उस समय खुब साफ देखा गया। मीडिया में भी। हम नवभारत टाइम्स में थे। एसपी सिंह कार्यकारी संपादक थे। राजेन्द्र माथुर प्रधान संपादक। सीधे खाने बंट गए थे। एसपी जो खुद कम लिखने वाले थे खुलकर मंडल के पक्ष में लिख रहे थे और हमें भी खूब छाप रहे थे। विरोध कितना ज्यादा था यह बताने के लिए एक वाकया बताते हैं। एक दिन हमने एसपी से कहा कि आपको लोग क्या कहते हैं आपको मालूम है हंसे। बोले उनसे कहना कि नहीं तुम्हें मालूम नहीं। वे पिछड़े नहीं। मेहतर हैं। मगर उस समय यह भी आश्चर्य रहा कि दलित, ओबीसी के समर्थन में नहीं आए। उल्टा मंडल का विरोध ही किया। आज भी यही स्थिति है। यूपी जहां तीस-बत्तीस साल में दलित और पिछड़े दोनों को सबसे ज्यादा मौके मिले वहां चुनाव के समय दोनों एक दूसरे के खिलाफ हैं। मायावती और मुलायम या नौजवान अखिलेश यादव ने भी कभी दोनों समुदायों को जोड़ने की गंभीर कोशिश नहीं की।

कोरोना के कारण बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी, कर्नल सीके नायडू और सीनियर महिला टी20 लीग को स्थगित किया

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2022 के शुरू होने से पहले ही इसे स्थगित कर दिया गया है। कई खिलाड़ियों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद इस टूनार्मेंट को स्थगित कर दिया गया है। रणजी ट्रॉफी अब 13 जनवरी से शुरू नहीं होगी। बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी के अलावा सभी घरेलू टूनार्मेंट को फिलहाल तत्काल प्रभाव से रोक दिया। बोर्ड ने हालांकि कूच बिहार अंडर-19 के नॉक आउट मुकाबलों को तय शेड्यूल के अनुसार जारी रखने का फैसला किया है। हाल ही में बंगाल टीम में कोरोना संक्रमण के छह मामले आए थे जिनमें पांच खिलाड़ी थे। मुंबई के शिवम दुबे भी पॉजिटिव पाए गए जो पृथकवास में हैं। रणजी ट्रॉफी का आयोजन छह शहरों में होना था जिसमें बेंगलुरू और कोलकाता शामिल है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि देश बढ़ते कोविड-19 मामलों के मद्देनजर 2021-22 सीजन के लिए रणजी ट्रॉफी, कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी और सीनियर महिला टी20 लीग को स्थगित ?कर दिया गया है। रणजी ट्रॉफी और कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी इस महीने शुरू होने वाली थी, जबकि सीनियर महिला टी 20 लीग फरवरी में शुरू होने वाली थी।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा कि बोर्ड खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ, मैच अधिकारियों और अन्य प्रतिभागियों की सुरक्षा से समझौता नहीं करना चाहता है और इसलिए, अगले आदेश तक तीनों टूनार्मेंटों को रोकने का फैसला किया है। बीसीसीआई स्थिति का आकलन करना जारी रखेगा और उसी के अनुसार टूनार्मेंट शुरू करने पर फैसला करेगा। बोर्ड ने कहा कि बीसीसीआई उन सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करता है, जिन्होंने मौजूदा 2021-22 घरेलू में 11 टूनार्मेंटों में 700 से अधिक मैचों की मेजबानी करने के लिए अपना बेस्ट दिया।

दूसरे दिन का खेल खत्म, भारत को 58 रनों की बढ़त, पुजारा-रहाणे क्रीज पर

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट जोहानिसबर्ग के द वांडरर्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है और भारत के पास 58 रनों की बढ़त है। स्टंप्स तक दूसरी पारी में भारत का स्कोर 2 विकेट पर 85 रन है। चेतेश्वर पुजारा 35 रन पर और अजिंक्य रहाणे 11 रन पर नाबाद हैं। दोनों बल्लेबाजी के बीच तीसरे विकेट के लिए 41 रनों की साझेदारी हो चुकी है। उनके अलावा मयंक अग्रवाल ने 23 और केएल राहुल ने 8 रन बनाए.इससे पहले, भारत ने साउथ अफ्रीका को उसकी पहली पारी में 229 रन पर समेट दिया। टीम इंडिया के लिए शार्दुल ठाकुर ने 61 रन देकर 7 विकेट चटकाए। मेजबान टीम की ओर से कीगन पीटरसन ने 62 और तेम्बा बवूमा ने 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।

विकेटकीपर ऋषभ पंत ने लगाया स्पेशल 'शतक', महेंद्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट जोहानिसबर्ग के द वांडरर्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत ने साउथ अफ्रीका को उसकी पहली पारी में 229 रन पर समेट दिया है। इस दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में एक और खास उपलब्धि हासिल कर ली है। 24 साल के पंत ने टेस्ट क्रिकेट में अपने कैचों का शतक पूरा कर लिया है। पंत ने शार्दुल ठाकुर की गेंद पर विकेट के पीछे लुंगी एनगिडी का कैच पकड़ते ही क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में अपने 100 कैच पूरे कर लिए। ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 कैच लेने वाले चौथे भारतीय और दुनिया विकेटकीपर बन गए हैं। वह? अब महेंद्र सिंह धोनी (256), सैयद किरमानी (160) और किरण मोरे (110) की लिस्ट में शामिल होकर 42वें विकेटकीपर बन गए हैं।

पंत इससे पहले, सेंचुरियन टेस्ट में भारत के लिए टेस्ट में सबसे तेज 100 शिकार करने वाले पहले

विकेटकीपर बने थे। युवा विकेटकीपर ने इस मामले में पूर्व भारतीय विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा था। पंत ने पहले टेस्ट में मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज टेम्बा बवूमा का कैच पकड़कर टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए सबसे तेज 100 शिकार किए थे। पंत ने 26 मैचों की 50 पारियों में यह कारनामा किया था। उनसे पहले धोनी और रिद्धिमान साहा ने 36 टेस्ट मैचों में 100 शिकार किए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 61 पर 7 विकेट लेने के साथ ही शार्दुल ठाकुर टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भी भारतीय गेंदबाज का अबतक का यह बेस्ट प्रदर्शन है।

रासी वैन डेर डुसेन को आउट देने पर सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

नईदिल्ली। भारत के खिलाफ जोहानिसबर्ग में जारी दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने अच्छी शुरूआत की। मेजबान टीम हालांकि इस शुरूआत को कायम नहीं रख पाई और लंच से पहले उसने चार विकेट गंवा दिए। भारतीय तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने पहले सेशन में तीन विकेट साउथ अफ्रीका की कमर तोड़ दी। टीम ने लंच से ठीक पहले रासी वैन डेर डुसेन का विकेट गंवाया, जिसे ठाकुर ने अपना शिकार बनाया। उनके आउट होते ही लंच ब्रेक की घोषणा कर दी गई। डुसेन को आउट देने को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बहस छिड़ी हुई है क्योंकि टीवी रिप्ले में करीब से देखने के बाद लग रहा था कि गेंद विकेटकीपर ऋषभ पंत के दस्तानों में पहुंचने से पहले ही जमीन पर बाउंस हो गई थी। साउथ अफ्रीका की पहली पारी में 45वें ओवर की चौथी गेंद पर शार्दुल ठाकुर ने रासी वैन डेर डुसेन को अंदर की ओर गेंद फेंकी जो उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर थाईपैड पर लगी और गेंद पंत के दस्तानों में जा समाई। अंपायर मराय इरासमस ने डुसेन को आउट दे दिया। हालांकि रीप्ले में दिखाई दे रहा था कि गेंद पंत के ग्ल्वज तक पहुंचने से पहले ही कथित तौर पर जमीन पर टप्पा खा गई थी। डुसेन को आउट देने पर कप्तान डीन एल्गर के साथ साथ पूरी टीम हैरानी थी। वीडियो देखने के बाद कप्तान एल्गर तुरंत थर्ड अंपायर के पास पहुंच गए। उनके साथ टीम मैनेजर भी मौजूद थे। दोनों ने डुसेन को आउट देने की शिकायत की। इस अपील के बाद थर्ड अंपायर ने भी डुसेन के विकेट की फुटेज देखी।

शार्दुल ठाकुर की घातक गेंदबाजी से साउथ अफ्रीका पस्त

झटके 5 विकेट, जमकर हो रही है तारीफ

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच जोहानिसबर्ग के द वांडरर्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। दूसरे दिन लंच से पहले शार्दुल ठाकुर ने अपनी किफायती गेंदबाजी से भारतीय टीम की जोरदार वापसी कराई है। शार्दुल ठाकुर ने लंच से पहले मेजबान टीम के 3 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। इसके बाद से सोशल मीडिया पर उनकी जमकर तारीफ हो रही है। टेस्ट के दूसरे दिन शार्दुल ठाकुर ने अपना पहला शिकार कप्तान डीन एल्गर को बनाया। एल्गर एक छोर से भारतीय गेंदबाजों को खूब परेशान कर रहे थे। शार्दुल ने उन्हें आउट करके भारत को दूसरी सफलता दिलाई है। एल्गर ने 120 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 28 रन बनाए। इसके बाद शार्दुल ने रासी वैन डेर डुसेन को अपना शिकार बनाते हुए टीम इंडिया की वापसी कराई। डुसेन महज एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने जमे हुए बल्लेबाज कीगन पीटरसन को मयंक अग्रवाल के हाथों कैच कराकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। पीटरसन ने 118 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 62 रन की पारी खेली। इसके बाद शार्दुल ठाकुर की तारीख में ट्विटर पर मीम्स की जैसे बाढ़ आ गई और यूजर्स ने ठाकुर की तारीफ करते हुए खूब मीम्स शेयर कर रहे हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ बेस्ट भारतीय गेंदबाज बने शार्दुल ठाकुर, टीम इंडिया की मैच में शानदार वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सात विकेट लेकर कैरियर का बेस्ट प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन मंगलवार को पहली पारी में अच्छी बढ़त लेने से रोक दिया। हालांकि दूसरी पारी में भारत की शुरूआत खराब रही। भारत के 202 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में सिर्फ 229 रन बनाए। भारत के इस प्रदर्शन के नायक रहे ठाकुर जिन्होंने 17.5 ओवर में 61 रन देकर सात विकेट लिए। शार्दुल का यह प्रदर्शन, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भी गेंदबाज का अबतक का बेस्ट प्रदर्शन है। दूसरे दिन स्टंप्स तक भारत ने 2 विकेट पर 85 रन बना लिए थे यानी उसके पास 58 रन की बढत हो गई है। चेतेश्वर पुजारा 35 और अजिंक्य रहाणे 11 रन बनाकर खेल रहे हैं।

भारत की शुरूआत काफी खराब रही और दोनों सलामी बल्लेबाज 44 के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। विराट कोहली की जगह कप्तानी कर रहे केएल राहुल आठ रन बनाकर मार्को जैनसन का शिकार हुए जबकि मयंक अग्रवाल (23) को डुआने ओलिवियर ने पवेलियन भेजा। इसके बाद से पुजारा और रहाणे ने 8.2 ओवर में 41 रन की अटूट साझेदारी की। भारत के लिए दूसरे दिन का हासिल रही ठाकुर की गेंदबाजी जिन्होंने पहले सत्र में तीन, दूसरे और तीसरे सत्र में दो दो विकेट चटकाए। जैनसन (21) को आखिरी सत्र में उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के हाथों लपकवाया और लुंगी एंगिडि (0) को विकेट के पीछे ऋषभ पंत के हाथों लपकवाकर दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत किया। इससे पहले, लंच के बाद वाले सत्र में दक्षिण अफ्रीका ने 89 रन जोड़े लेकिन तीन विकेट गंवाए जिनमें से दो ठाकुर ने लिए। पहले उन्होंने काइल वेरेन को पगबाधा आउट किया जो 21 रन बनाकर लौटे। इसके बाद तेम्बा बवूमा को विकेट के पीछे ऋषभ पंत के हाथों लपकवाया। पिछली गेंद पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा करने के बाद अगली ही गेंद पर बावुमा अपना विकेट गंवा बैठे। बवूमा ने 60 गेंद में छह चौकों और अश्विन को जड़े एक छक्के की मदद से 51 रन बनाए। कैगिसो रबाडा खाता भी नहीं खोल सके थे और शमी ने उन्हें मिडआन पर खड़े मोहम्मद सिराज के हाथों लपकवाया।

लंच से पहले ठाकुर ने डीन एल्गर (120 गेंद में 28 रन) और युवा कीगन पीटरसन (118 गेंद में 62 रन) को पवेलियन भेजा। पीटरसन का टेस्ट क्रिकेट में यह पहला अर्धशतक है। इसके बाद लंच के समय रासी वान डेर डुसेन को आउट किया जिन्होंने 17 गेंद में मात्र एक रन बनाया। विकेट के पीछे ऋषभ पंत का यह कैच हालांकि जमीन को छूता नजर आ रहा था। एक समय दक्षिण अफ्रीका का स्कोर एक विकेट पर 88 रन था लेकिन उसने तीन विकेट आधे घंटे में 14 रन के भीतर गंवा दिए। जसप्रीत बुमराह ने 21 ओवर में 49 रन देकर एक विकेट लिया, वहीं मोहम्मद शमी ने 21 ओवर में 52 रन देकर दो विकेट चटकाये। अश्विन और सिराज को भी कोई सफलता हाथ नहीं लगी । मेजबान कप्तान एल्गर को ठाकुर ने विकेट के पीछे पंत के हाथों लपकवाया।

बीबीएल में मंडराया कोरोना का खतरा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शेड्यूल में किया बदलाव

कैनबेरा। पूरी दुनिया में एक बार फिर कोरोना महामारी का संकट गहरा रहा है। संक्रमित मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इस महामारी से क्रिकेट जगत भी अछूता नहीं है। दुनिया के अलग-अलग जगहों पर क्रिकेट आयोजन हो रहा है। इसी बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को ब्रिस्बिन हीट फ्रेंचाइजी में कोरोना संक्रमण के मामले सामने के बाद बिग बैश लीग के शेड्यूल में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। शेड्यूल में बदलाव के अनुसार पर्थ स्कॉर्चर्स और सिडनी सक्सिर्स के बीच अब छह जनवरी के बजाय आज मुकाबला खेला जाएगा, जबकि ब्रिस्बिन हीट का सिडनी सक्सिर्स के खिलाफ मैच एक दिन आगे बढ़ गया है जो बुधवार को होगा। वहीं पर्थ स्कॉर्चर्स और सिडनी थंडर, जो बुधवार को भिड़ने वाले थे, अब गुरुवार को आमने-सामने होंगे।

सीए के बिग बैश लीग महाप्रबंधक एलस्टियर डॉब्सन ने मंगलवार को एक बयान में कहा, ह्व सबसे पहले हमारे विचार सभी क्लबों के खिलाड़ियों और कर्मचारियों के साथ-साथ व्यापक समुदाय के सभी लोगों के साथ हैं, जो कोरोना से संक्रमित हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। लीग और क्लबों ने मौजूदा स्थिति में फुतीर्ला होना सीख लिया है और हमें खुशी है कि हमें तीनों मैचों को इतनी जल्दी सुरक्षित करने में मदद करने के लिए एक समाधान मिल गया है। हम सभी क्लबों को उनके सहयोग के लिए और हमारे प्रशंसकों को इन तेजी से बदलती परस्थिर्तियों में उनकी समझ के लिए धन्यवाद देते हैं। उल्लेखनीय है कि बीबीएल टीमों में कोरोना संक्रमण के मामलों ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की चिंता बढ़ा दी है। मेलबोर्न स्टार्स और सिडनी थंडर में लगातार कोरोना संक्रमण के मामलों की एक श्रृंखला देखने को मिली है। सपोर्ट स्टाफ के एक सदस्य के पॉजिटिव होने के बाद मेलबोर्न स्टार्स का भी पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ मैच स्थगित हो गया था।

वीरेंद्र सहवाग और युवराज सिंह के बल्ले से फिर निकलेगी आतिशी पारी, शाहिद अफरीदी-शोएब अख्तर की टीम से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली। वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह और हरभजन सिंह उन कई पूर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं जो 20 जनवरी से ओमान में शुरू होने वाले लीजेंड्स लीग क्रिकेट (छछउ) में इंडिया महाराजा टीम की तरफ से खेलेंगे। एलएलसी, संन्यास ले चुके क्रिकेटरों की पेशेवर लीग है, जिसमें तीन टीम भाग लेंगी।

दो अन्य टीम एशिया और शेष विश्व की हैं। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री इस लीग के आयुक्त हैं। सहवाग, युवराज और हरभजन के अलावा इंडिया महाराजा टीम में इरफान पठान, यूसुफ पठान, बद्रीनाथ, आरपी सिंह, प्रज्ञान ओझा, नमन ओझा, मनप्रीत गोनी, हेमंग बदानी, वेणुगोपाल राव, मुनाफ पटेल, संजय बांगड़, नयन मोंगिया और अमित भंडारी शामिल हैं। एशिया लायन्स नाम की एशियाई टीम में पाकिस्तान और श्रीलंका के पूर्व दिग्गज शोएब अख्तर, शाहिद अफरीदी, सनथ जयसूर्या, मुथैया मुरलीधरन, कामरान अकमल, चमिंडा वास, रोमेश कालूवितर्णा, तिलकरत्ने दिलशान, अजहर महमूद, उपुल थरंगा, मिसबाह उल हक, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, मोहम्मद यूसुफ और उमर गुल शामिल हैं। अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान भी एशियाई टीम का हिस्सा होंगे, जबकि तीसरी टीम के खिलाड़ियों की घोषणा की जानी बाकी है।

न्यूजीलैंड की धरती पर बांग्लादेश ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया के बाद ऐसा करने वाली दूसरी टीम बनी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट माउंट मांग्नुई में खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड को पहली पारी में 328 रनों पर ऑलआउट करने के बाद बांग्लादेश ने पहली पारी में 458 रन बनाकर मेजबान टीम को दबाव में डाल दिया है। मैच का चौथा दिन एबादत हुसैन के नाम रहा, जिन्होंने दूसरी पारी में चार कीवी बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 147 रन था। टेलर 37 जबकि रचिन रविंद्र छह रन बनाकर खेल रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2010 के बाद बाद से यह केवल दूसरा मौका है, जब किसी मेहमान टीम ने न्यूजीलैंड की धरती पर 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया है। न्यूजीलैंड में 2010 के बाद से टेस्ट क्रिकेट में 400 या उससे ज्यादा का स्कोर केवल

ऑस्ट्रेलियाई टीम के नाम था, जिन्होंने यह कारनाम किया था। लेकिन अब बांग्लादेश ने भी यह कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है।

बांग्लादेश ने पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 458 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के क्लब में खुद को शामिल करा लिया है। ऑस्ट्रेलिया ने 2010 के बाद से 4 टेस्ट मैचों में न्यूजीलैंड की धरती पर 4 बार 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया है। वहीं, बांग्लादेश ने 6 टेस्ट मैचों में 4 बार या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया है। इससे पहले, इंग्लैंड ने 7 टेस्ट मैचों में 3 बार और दक्षिण अफ्रीका ने 6 टेस्ट मैचों में 2 बार न्यूजीलैंड की धरती पर 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया है।

टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर, मैदान में लौटे मोहम्मद सिराज

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच जोहानिसबर्ग के द वांडरर्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। दूसरे दिन का खेल शुरू हो गया है। इस बीच भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज फिट हो गए हैं और वापस मैदान पर लौट चुके हैं। दरअसल, सिराज मैच के पहले दिन हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझते नजर आए थे, जिसके बाद वह गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। सिराज ने पहले दिन सिर्फ 3.5 ओवर की गेंदबाजी की थी। इससे पहले सिराज की चोट ने टीम इंडिया का सिरदर्द बढ़ा दिया था। लेकिन इससे पहले टीम इंडिया के सीनियर स्पिनर आर अश्विन ने उम्मीद जताई थी कि सिराज दूसरे दिन गेंदबाजी कर

पाएंगे। सिराज जब दिन का चौथा ओवर फेंक रहे थे, तो काफी दर्द में नजर आए, जिसके बाद उनको मैदान छोड़ना पड़ा था।

बता दें कि पहले दिन दक्षिण अफ्रीका ने एक विकेट पर 35 रन बना लिए थे। कप्तान डीन एल्गर और कीगन पीटरसन ने मिलकर 21 रनों की साझेदारी निभाई है। टीम इंडिया की नजर इस जोड़ी को जल्द से जल्द तोड़ने पर होगी। मैच के पहले दिन दक्षिण अफ्रीका को इकलौता झटका मोहम्मद शमी ने दिया था। शमी ने एडेन मार्करम को सात रन के स्कोर पर एलबीडब्ल्यू आउट किया था। भारत ने पहली पारी में 202 रन बनाए थे।

टीम इंडिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट क्रिकेट में अबतक 40 बार आमने-सामने हुई है। इस दौरान दोनों टीमों का पलड़ा लगभग एक बराबर रहा है। टीम इंडिया ने टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका को अबतक 15 मुकाबलों में हराया है, वहीं दक्षिण अफ्रीका ने टीम इंडिया को 15 मुकाबलों में मात दी है। इसके अलावा दोनों टीमों के 10 मैच ड्रा रहे हैं। जोहान्सबर्ग में टीम इंडिया के लिए फतह हासिल करके पहली बार दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं पर टेस्ट सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। इस मैदान पर टीम इंडिया ने आजतक एक भी टेस्ट नहीं हारा है। वांडरर्स में टीम इंडिया ने अब तक कुल 5 टेस्ट मुकाबले खेले हैं। जिनमें से उसे 2 में जीत मिली है जबकि 3 मैच ड्रॉ रहे हैं। टीम इंडिया अबतक इस मैदान पर अजेय रही है।

बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अविषेक डालमिया पाए गए कोरोना पॉजिटिव, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अविषेक डालमिया को कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद मंगलवार को शहर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डालमिया ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि उनमें बुखार जैसे कोविड-19 के लक्षण नजर आ रहे थे और उनकी आरटी-पीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, "एहतियाती कदम के तौर पर उन्हें वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उन्हें मोनोकलोनल एंटीबॉडी कॉकटेल थेरेपी दी जाएगी और अभी उनकी स्थिति स्थिर है।

पिछले हफ्ते भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली को भी पॉजिटिव पाए जाने के बाद इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनका चार दिन तक उपचार चला था। बंगाल के पूर्व कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला भी कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। वह राज्य की अंडर-23 टीम के कोच हैं। अधिकारी ने कहा, "उसे तेज बुखार है और उनकी परीक्षण रिपोर्ट पॉजिटिव आई है और उसे घर में पृथकवास पर रहने की सलाह दी गई है। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के अनुसार पश्चिम बंगाल में कोविड के 6,078 नए मामले आए जिससे कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या 16,55,228 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 13 लोगों की मौत के बाद इस वायरस से मरने वालों की कुल संख्या 19,794 हो गई है। कुल सक्रिय मामले 20,186 हैं।

अमित शाह ने छीनीं दिल्ली सरकार की शक्तियां, इस सवाल पर सिसोदिया का जवाब सुन बीजेपी ने किया विधानसभा से वॉकआउट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सत्र के दूसरे दिन भाजपा विधायकों ने उस वक्त सदन से वॉकआउट किया जब उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर उडश्क्क्ऽ पीड़ितों के परिजनों को मुआवजा देने के लिए सरकार की शक्ति को छीनने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता को बेकार की बात नहीं करने के लिए आगाह किया। विजेंद्र गुप्ता ने पूछा था कि दिल्ली सरकार सहानुभूति के आधार पर कोरोना वायरस महामारी के दौरान मरने वाले सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी क्यों नहीं दे रही है

सिसोदिया ने अपने जवाब में बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि वे उपराज्यपाल और गृह मंत्री

अमित शाह के पास जाएं और उनसे पूछें कि दिल्ली सरकार से यह शक्ति क्यों छीनी गई सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार ड्यूटी पर मरने वाले किसी भी कर्मचारी के परिजनों को नौकरी देने की पक्षधर है, लेकिन यह सेवा विभाग के तहत आता है जो दिल्ली एलजी के अधीन है। अमित शाह, छक्क्ऋअनिल बैजल से कहो कि हमें हमारा अधिकार दें।

इस मामले में अमित शाह का नाम घसीटे जाने से नाराज विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सदन में अमित शाह जिंदाबाद के नारे लगाए और भाजपा के अन्य नेताओं के साथ वॉकआउट किया। गौरतलब है कि, दिल्ली विधानसभा का दो दिवसीय सत्र सोमवार 3 जनवरी को शुरू हुआ था। पिछले महीने दिल्ली विधानसभा के एक बुलेटिन में कहा गया था कि सत्र तीन और चार जनवरी को दो दिन का होगा। इसमें कहा गया था कि कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन, सदन की बैठक की अवधि को बढ़ाया जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि कोविड मामलों की बढ़ती संख्या के कारण, विधायकों और अधिकारियों को फेस मास्क पहनना होगा और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा। सत्र में एक प्रश्नकाल होगा और सदस्य विशेष उल्लेख के तहत महत्वपूर्ण मुद्दों को उठा सकेंगे।

मेदांता अस्पताल के 23 मेडिकल स्टाफ समेत लखनऊ में 150 नए मरीज मिले, 8 बच्चे भी पॉजिटिव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को आठ बच्चों समेत 150 मरीज कोरोना संक्रमित मिले हैं। इनमें 60 महिलाएं शामिल है। इसमें से 46 लोग बाहर से आए हुए यात्री हैं। इसके साथ ही मेदांता अस्पताल के एक डॉक्टर और 19 कर्मचारियों समेत 23 स्वास्थ्यकर्मियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। स्वास्थ्य विभाग ने बाहर से आये यात्रियों का नमूना जिनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजेन की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही अन्य संक्रमितों के संपर्क वाले लोगों की कांटेक्ट ट्रेसिंग कर कोरोना जांच करायी जा रही है। मंगलवार को 15 मरीजों ने कोरोना को मात दी। मौजूदा समय में 486 सक्रिय मरीज हैं। इसके पहले पिछले साल दूसरी लहर में 21 मार्च को 141 केस एक दिन में ही आए थे। कोरोना संक्रमित कांटेक्ट ट्रेसिंग में सामने आ रहे है। मंगलवार को कांटेक्ट ट्रेसिंग में 30 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। मेदांता में अब तक 36 स्वास्थ्य कर्मचारी पॉजिटिव आ चुके हैं। मंगलवार को हैं। मंगलवार को मिलने वाले 46 संक्रमित बाहर से यात्रा करके आए हैं। दिल्ली, राजस्थान, मुम्बई समेत

मेदांता अस्पताल का एक डॉक्टर व 19 कर्मचारियों समेत 23 स्वास्थ्य कर्मियों में कोरोना की पुष्टि हुई है। उधर, कमांड अस्पताल में इलाज कराने आए दो मरीजों में संक्रमण मिला है। विदेश और देश के अलग-अलग शहरों से आने वाले यात्री संक्रमण की जद में आ रहे छह राज्यों के यात्री हैं। इन यात्रियों के संपर्क वाले लोगों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। ताकि संपर्क वाले लोगों की कोरोना जांच करायी जा सके। शहर के अगल-अलग अस्पतालों में ऑपरेशन से पहले मरीजों की करायी गई कोरोना जांच में आठ की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है।

लड़की हूं, लड़ सकती हूं नारे का नड्डा ने उड़ाया मजाक, कांग्रेस का पलटवार

लखनऊ। कांग्रेस ने अपनी महासचिव प्रियंका गांधी के नारे लड़की हूं, लड़ सकती हूं का मजाक उड़ाने पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पर पलटवार किया है। कांग्रेस ने नड्डा को अपनी मानसिकता बदलने की नसीहत दी है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने सोमवार को लखनऊ में लड़की हूं, लड़ सकती हूं जैसे सशक्त नारे और उत्तर प्रदेश की महिलाओं की आवाज का उपहास उड़ाया। यह कांग्रेस की नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश की हर उस लड़की की आवाज है जो अपने हक के लिए लड़ना चाहती है।

कहा कि इस सशक्तिकरण से आखिर नड्डा जी और उनकी पार्टी को क्या समस्या है? क्यों वह और उनकी पार्टी नारी शक्ति से इतना डरती है? श्रीनेत ने नड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि लड़कियां कुरीतियों के खिलाफ आप जैसी मानसिकता वालों से लड़ रही हैं। वे शिक्षा, परिवार और नौकरी के अवसरों में समानता के लिये लड़ रही हैं। भाजपा की मानसिकता है कि महिलाओं को एक शौचालय और एक गैस सिलेंडर तक ही सीमित रखा जाए। प्रियंका गांधी लड़कियों और महिलाओं के सशक्तिकरण की बात करती हैं, उनकी राजनीतिक भागीदारी और स्वावलम्बन की बात करती हैं। इससे भाजपा परेशान है। श्रीनेत ने भाजपा अध्यक्ष से सवाल पूछते हुए कहा कि क्या वह महिलाओं और लड़कियों को उनका हक देने को तैयार हैं? भाजपा बहुमत की सरकार चला रही है लेकिन वह सदन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की बात क्यों नहीं करती। कांग्रेस ने महिलाओं को आगामी विधानसभा चुनाव में 40 प्रतिशत टिकट देने और नौकरी में 40 फीसद भागीदारी देने का वादा किया है, लेकिन क्या भाजपा ऐसा करेगी?

कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला कोरोना संक्रमित, बुखार-सर्दी के थे लक्षण

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने मंगलवार को जानकारी दी कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्हें बुखार और सर्दी जैसे लक्षण थे। उन्होंने अपने संपर्क में आए सभी लोगों से जरूरी सावधानी बरतने की अपील की है। मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला कोरोना संक्रमित हो गए। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए पिछले 24 घंटों के दौरान उनके संपर्क में आए लोगों से जांच कराने तथा जरूरी सावधानियां बरतने की अपील भी की है। साथ ही वे होम आइसोलेट हो गए हैं। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरजेवाला ने ट्वीट किया, ₹बीती रात हल्का बुखार और सर्दी जैसे लक्षण दिखने के बाद मैंने अपनी जांच कराई और कोरोना से संक्रमित होने का पता चला। मैं पिछले 24 घंटों के दौरान अपने संपर्क में आए लोगों से आग्रह करता हूं कि वे जरूरी सावधानियां बरतें और अपनी जांच कराएं।

पहले की सरकार आतंकियों के मुकदमें वापस लेती थी, हम ठोकने के लिए बना रहे एटीएस सेंटर : योगी आदित्यनाथ

देबवंद। सहारनपुर के देवबंद में आतंकवाद निरोधक दस्ता इकाई/कमांडो ट्रेनिंग सेंटर का शिलान्यास करते हुए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि पहले की सरकारें आतंकवादियों को संरक्षण देती थीं।मुकदमें वापस लेकर उन्हें मुख्यमंत्री आवास में सम्मानित किया जाता है। योगी ने विपक्ष और अपनी सरकार में अंतर बताते हुए कहा कि उनकी सरकार आतंकवादियों को ठोकने के लिए एटीएस सेंटर बनवा रही है। योगी ने कहा, पहले की सरकार आतंकियों के मुकदमें वापस लेती थी हमारी सरकार आतंकियों को ठोकने के लिए एटीएस का सेंटर बना रही है। पहले की सरकार में दंगाई और आतंकियों को मुख्यमंत्री आवास पर बुलाकर सम्मानित किया जाता था अब आपने देखा होगा कि दंगाई सब्जी का ठेला लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा के लिए जो खतरा बने हुए थे उन्हें मालूम है कि अब अगर बेटियों को लिए खतरा पैदा किया तो उसका अंजाम भी उन्हें भुगतना होगा। योगी ने प्रदेश को दंगा मुक्त बताते हुए कहा, अब प्रदेश में दंगा नहीं होता है, क्योंकि दंगाइयों को पता है कि अगर दंगा किया तो उनकी सात पीढ़िया उसकी भरपाई करते-करते थक जाएंगी। मुख्यमंत्री ने सपने में कृष्ण आने के अखिलेश यादव के दावे पर तंज कसते हुए कहा, अब तो उन्हें भगवान कृष्ण भी कोस रहे होंगे कि जब सत्ता मिली थी तब दंगा करा रहे थे, आतंकियों को छुड़ा रहे थे। पहले की सरकारों में आतंकी हमले होते थे, कभी रामजन्म भूमि पर, कभी कचहरी पर, ये आतंकवादी गिरगिट की तरह रंग बदलते थे, उसी तरह आज समाजवादी पार्टी के बबुआ बोल रहे हैं कि अगर वह होते तो कबका राममंदिर का निर्माण करा देते।

सीएम योगी का विपक्ष पर वार

प्रदेश में पहले दंगा होता था अब गन्ना

अलीगढ़। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में पहले दंगे होते थे, अब गन्ना उत्पादन होता है। पहले की सरकारों में महंगी बिजली का बोझ गरीबों पर डाला जाता है। भगवान कृष्ण आज पहले की सरकार को कोस रहे होंगे कि जब सत्ता में थे तो मथुरा, बरसाना, वृंदावन का कुछ नहीं किया। मथुरा में कंस पैदा कर करके जवाहरबाग जैसा कांड करा दिया। सीएम मंगलवार को अलीगढ़ के कासिमपुर में हरदुआगंज तापीय परियोजना की नई 660 मेगावाट यूनिट का लोकार्पण समेत सात हजार करोड़ की परियाजनों का शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नवाब सिंह चौहान ग्रामोदय इंटर कालेज के मैदान में आयोजित जनसभा में सीएम ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के एक दिन पुराने बयान कि श्रीकृष्ण भगवान उनके सपने में रोज आकर कहते हैं कि तुम्हारी सरकार बनने जा रही है, पर जमकर तंज कसा।

दिवालिया होने की कगार पर श्रीलंका, भारत के लिए हो सकता है खतरा!

नई दिल्ली। श्रीलंका अपने आर्थिक संकट को लेकर पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। हाल के समय में कोरोना महामारी के बाद श्रीलंका में भारी आर्थिक संकट गहराया हुआ है। एक तरफ वहां महंगाई बढ़ रही है और लोग परेशान हैं तो दूसरी तरफ श्रीलंका सरकार चीन से भारी उधारी के कारण बढ़ते कर्ज से जूझ रही है। हालत यह हो गई कि श्रीलंका एक राष्ट्र के तौर पर दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया है। इन सबके बीच श्रीलंका में भारतीय हितों को देखते हुए एक्सपर्ट्स का मानना है कि श्रीलंका की स्थित अगर और बदतर हुई तो अपने भारी कर्ज के चलते श्रीलंका में नीतियों को लेकर चीन अधिक मनमानी करेगा जो भारत के लिए खतरनाक हो सकता है।

दरअसल, श्रीलंका की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या वहां बढ़ती महंगाई, खाद्यान्न संकट और विदेशी मुद्रा की कमी है। नवंबर 2019 में राजपक्षे के पदभार संभालने के समय देश में विदेशी मुदा भंडार 7.5 बिलियन डॉलर था, लेकिन 2021 के अंत तक विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 2.5 बिलियन डॉलर ही रह गया था। इस वजह से विदेशी कर्ज चुकाने के बारे में श्रीलंका की चिंता बढ़ गई। श्रीलंका पर चीन का पांच अरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज है। पिछले साल श्रीलंका ने आर्थिक संकट से बचने के लिए एक अरब डॉलर का कर्ज और लिया था। चीन के अलावा श्रीलंका पर

जापान और भारत का भी कर्ज है। इस साल के लिए कुल बकाया 6.9 अरब अमेरिकी डॉलर होगा। लेकिन चीन के कर्जे की हालत यह है कि श्रीलंका को हंबनटोटा पोर्ट चीन को कर्ज नहीं चुका पाने के बदले में ही 100 साल की लीज पर देना पड़ा था। श्रीलंका को हंबनटोटा पोर्ट के साथ 15000 एकड़ जमीन भी सौंपनी पड़ी थी। श्रीलंका ने चीन को जो इलाका सौंपा है, वो भारत से सिर्फ 100 मील की दूरी पर है। भारत के लिए इसे सामरिक रूप से खतरा बताया जा रहा है और यही कारण है कि यह भारत के लिए खतरनाक हो सकता है।

हालांकि पिछले दिनों श्रीलंका के वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे की भारत यात्रा के बाद भारत श्रीलंका को तत्काल मदद के लिए काम कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत श्रीलंका को आर्थिक संकट से निपटने के उपाय पर एक पैकेज पर काम कर रहा है। इकॉनोमिक टाइम्स में छपी रिपोर्ट के मुताबिक भारत से एनर्जी सिक्यूरिटी पैकेज और करेंसी स्वैप के साथ-साथ तत्काल आधार पर श्रीलंका में फूड और हेल्थ सिक्यूरिटी पैकेज का विस्तार करने और भारतीय निवेश को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। इन सबके अलावा कोरोना के चलते पर्यटन के क्षेत्र में भी श्रीलंका को काफी नुकसान हुआ है। द गार्डियन ने श्रीलंका में एक केस स्टडी करते हुए हाल ही में पाया कि वहां गावों की दुकान में एक किलो दूध पाउडर के पैकेट को खोल 100-100 ग्राम के पैक तैयार किए जाते हैं क्योंकि लोग एक किलो का पैकेट नहीं खरीद सकते। लोग 100 ग्राम बीन्स से ज्यादा नहीं खरीद पाते हैं। इसके अलावा रोजमर्रा की अन्य चीजों के रेट आसमान छू रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी की हत्या की थी प्लानिंग तालिबान ने बताया क्या थी तैयारी

काबुल (एजेंसी)। तालिबान ने अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी के दावों के विपरीत उनकी हत्या की कोई योजना नहीं बनाई थी। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक तालिबान नियुक्त अफगानिस्तान के उप-प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने दावा किया कि कई पूर्व अधिकारी और मंत्री काबुल में शांतिपूर्वक रह रहे हैं और उन्हें किसी तरह की हानि नहीं पहुंचाई गई है। अफगानिस्तान के उप-प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने कहा

कि तालिबान के शीर्ष नेता मुल्ला हैबतुल्ला अखुंदजादा ने काबुल पर कब्जे के बाद आम माफी का ऐलान कर दिया था जिसमें पूर्व राष्ट्रपति भी शामिल थे। खामा प्रेस ने बरादर का हवाला देते हुए कहा कि तालिबान ने पिछले साल 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा करने के बाद अशरफ गनी को मारने की कोई योजना नहीं बनाई थी। गौरतलब है कि अफगानिस्तान से भाग निकलने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति अशरफ गनी ने सितंबर में एक वीडियो क्लिप जारी कर कहा था कि वह रक्तपात, काबुल के विनाश और अफगानिस्तान के एक और राष्ट्रपति की हत्या को रोकने के लिए देश छोड़कर भागे थे।

मुस्लिम मुल्क यमन में एक ही दिन में मारे गए 200 लोग, फिर तेज हुआ गृह युद्ध

दुबई। करीब 7 सालों से गृह युद्ध का सामना कर रहे यमन में 200 लड़ाकों की मौत हो गई है। यमन के मरिब शहर के पास युद्ध के दौरान ये मौतें हुई हैं। सेना और मेडिकल सर्विसेज से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी है। यमन में बीते 7 सालों से चले आ रहा संघर्ष एक बार फिर से तेज हो गया है। स्वास्थ्य सूत्रों ने बताया कि सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के हवाई हमलों में 125 से ज्यादा हूथी विद्रोही लड़ाके मारे गए हैं। सरकार समर्थित बलों से संघर्ष में शाबवा और अल-बायदा सूबे में इन लड़ाकों की मौत हुई है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के समर्थन वाले सरकारी बलों के भी 70 लड़ाकों की इस संघर्ष में जान चली गई हैं।

यमन सरकार के सूत्रों ने इन मौतों की पुष्टि की है। ये मौतें बीते 24 घंटे में हुए संघर्ष के दौरान हुई हैं। इससे समझा जा सकता है कि यमन में गृहयुद्ध के चलते हालात कितने भयावह हो चुके हैं। सऊदी अरब के नेतृत्व वाली गठबंधन सेनाएं यमन में बीते 7 सालों से हूथी विद्रोहियों से मुकाबला कर रही हैं। इस संघर्ष के चलते लाखों लोगों को अपने ही देश से पलायन करना पड़ा है और मुस्लिम राष्ट्र में बड़ा मानवीय संकट खड़ा हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक इस संकट के चलते भुखमरी समेत कई अन्य समस्याएं भी खड़ी हो गई हैं। सरकारी सूत्रों ने बताया कि सोमवार को हूथी विद्रोहियों ने एक सैन्य जहाज को घेर लिया था, जिसमें यूएई का झंडा लगा हुआ था। गठबंधन सेनाओं का कहना है कि इस जहाज में मेडिकल सप्लाई के लिए जरूरी सामान लदा हुआ था। हूथी विद्रोहियों की ओर से घेरे जाने पर गठबंधन सेनाओं ने कार्रवाई शुरू की थी। इसके बाद 125 लड़ाके मारे गए। इससे पहले सितंबर में मरिब शहर पर कब्जे के लिए हूथी विद्रोहियों और सरकार समर्थित सेनाओं के बीच भीषण संघर्ष हुआ था। यह आखिरी शहर है, जिसपर यमन सरकार का कब्जा बना हुआ है। बीते कुछ सप्ताह में यह संघर्ष और तेज हुआ है। एक तफ सऊदी समर्थक बलों ने विद्रोहियों पर हवाई हमले तेज किए हैं तो वहीं हूथी विद्रोहियों की ओर से मिसाइल और ड्रोन अटैक किए जा रहे हैं।

1981 में पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी कंपनियों पर बम हमले के पीछे मोसाद, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। एक मीडिया रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद 1981 में जर्मनी और स्विटजरलैंड में उन कंपनियों और व्यक्तियों को निशाना बनाने वाले बम हमलों के पीछे हो सकती है, जो कथित तौर पर पाकिस्तान के तत्कालीन गुप्त परमाणु कार्यक्रम से जुड़े थे। स्विस जर्मन भाषा के अखबार न्यू जुर्चर जितुंग की रिपोर्ट में कहा गया है कि अज्ञात अपराधियों ने फरवरी और नवंबर 1981 के बीच कंपनियों और व्यक्तियों को बम हमले किए। तीनों हमलों ने केवल संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जबकि कोई मानव क्षति नहीं हुई थी।

शनिवार को प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि 1981 में जर्मनी और स्विटजरलैंड में कंपनियों और व्यक्तियों को निशाना बनाने वाले बम हमलों के पीछे मोसाद हो सकती है, जो कथित तौर पर पाकिस्तान के तत्कालीन गुप्त परमाणु कार्यक्रम से जुड़े थे। हमलों के अलावा कंपनियों के अधिकारियों को कई फोन कॉल किए गए, जिसमें धमकी देने वालों ने अंग्रेजी में बात की या जर्मन भाषा में बात की, अन्य

कंपनियों को भी धमकी दी, जिन पर पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम के लिए तकनीक या उपकरण उपलब्ध कराने का संदेह था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कभी-कभी फोन करने वाले ने धमकियों को टेप करने की भी बात कही। संदेह है कि मोसाद इन हमलों के पीछे हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के पहले परमाणु बम वाले इस्लामिक देश बनने की संभावना ने इजरायल के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया था।

स्विस इतिहासकार एड्रियन हैनी ने दैनिक के हवाले से कहा कि मोसाद जर्मन और स्विस कंपनियों पर बम हमलों में शामिल था। हालांकि मोसाद को बम विस्फोटों से जोड़ने के कोई साक्ष्य नहीं थे लेकिन, हमलों में ₹एक गुप्त सेवा हस्ताक्षर₹ था। हैनी ने कहा कि जर्मनी और स्विटजरलैंड में बम विस्फोट भी उन बम हमलों की एक सीरीज थी जो मोसाद ने पिछले दो वर्षों में पश्चिमी यूरोप में इराकी परमाणु कार्यक्रम के सिलसिले में किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एशिया में परमाणु हथियारों के अप्रसार संगठन जो अब तक अनसुना समूह है, ने जर्मनी और स्विटजरलैंड में हुए विस्फोटों की जिम्मेदारी ली थी। इस संगठन के बारे में फिर कभी नहीं सुना गया।

10 साल बाद तुर्की पहुंची पाकिस्तान की पहली मालगाड़ी, रेलवे ने कर ली लाखों की कमाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। लगभग एक दशक की रुकावट के बाद पाकिस्तान से पहली मालगाड़ी ईरान के तेहरान के रास्ते तुर्की पहुंच चुकी है। यह मालगाड़ी लाहौर, तफ्तान और जाहेदान होते हुए सोमवार को अंकारा पहुंची। इस मालगाड़ी ने 17 दिनों का सफर महज 13 दिनों में ही पूरा कर लिया। पाकिस्तान से दूसरी ट्रेन भी तुर्की के लिए रवाना हो चुकी है। डॉन न्यूज की खबर के मुताबिक, देश के रेलवे डायरेक्टर इम्तियाज अहमद ने बताया कि पहली मालगाड़ी 21 दिसंबर को इस्लामाबाद से सामान लेकर रवाना हुई थी। इस ट्रेन में मुख्य रूप से पिंक सॉल्ट यानी सेंधा नमक था और यह सोमवार शाम ही तुर्की के अंकारा पहुंच घई थी। अपने गन्तव्य तक पहुंचने से पहले मालगाड़ी के सामान को ऐसी दूसरी बोगियों में डाला गया जो ईरान और तुर्की के रेलवे ट्रैक के अनुरूप हों। इस ट्रेन में आठ बोगियां थी और इसके जरिए करीब 150 टन पिंक सॉल्ट पाकिस्तान से तुर्की भेजा गया है। इम्तियाज के मुताबिक, दूसरी ट्रेन 28 दिसंबर को अजाखेल ड्राई पोर्ट से रवाना हुई है। इसके जरिए 525 टन सोपस्टोन तुर्की भेजा जा रहा है। यह ट्रेन भी ईरान में प्रवेश कर चुकी है और जल्द ही जाहेदान पहुंचने वाली है। यहीं पर ट्रेन की बोगियां बदली जाएंगी। इम्तियाज ने बताया कि पहली ट्रेन को तुर्की भेजकर पाकिस्तानी रेलवे ने 8 लाख पाकिस्तानी रुपये की कमाई की तो वहीं, दूसरी मालवाहक गाड़ी से रेलवे को 22 लाख पाकिस्तानी रुपये की आमदनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान को सिर्फ ट्रांजिट कंट्री के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है और पाकिस्तान से लादा गया सारा सामान सिर्फ तुर्की ही ट्रांसपोर्ट किया जाएगा।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक 211019 से प्रकाशित स्वामी श्री योगी सत्यम एवम योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इंटरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराजसे मुद्रित एवम क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान झूसी प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506